हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 246 बेमेतरा, शुक्रवार 01 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को मिलेगी 1500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि

कपूरथला। पंजाब सरकार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को 1500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि देगी जिसके लिए 10 मई से विभाग के पोर्टल पर पंजीयन शुरू होगा। उपायुक्त आकाश बंसल ने मंगलवार को बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसान 10 मई से विभाग के पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीयन के दौरान किसानों को अपना आधार नंबर भरना होगा और उनकी व्यक्तिगत तथा बैंक संबंधी जानकारी 'अनाज खरीद/ई-मंडीकरण' पोर्टल के अनुसार ही प्राप्त की जाएगी। किसानों को केवल अपनी सीधी बिजाई के अधीन रकबा, जिला, तहसील, गांव तथा खेवट/खसरा नंबर संबंधी विवरण देना होगा। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि पानी की बचत के लिए अधिक से अधिक रकबे में धान की सीधी बिजाई को प्राथमिकता दी जाए।

हरियाणा में जल संकट गहराया, सरकार तुरंत सुनिश्चित करे नियमित पेयजल आपूर्ति

चंडीगढ़। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल संकट गंभीर रूप ले चुका है। प्रदेश के कई जिलों, विशेषकर सिरसा के ऐलनाबाद क्षेत्र समेत विभिन्न इलाकों में पानी की भारी कमी देखी जा रही है। हालात ऐसे हैं कि कई स्थानों पर पानी की राशनिंग तक करनी पड़ रही है और लोगों को टैंकरों के सहारे रहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर पानी की किल्लत है, वहीं दूसरी ओर बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। भीषण गर्मी के बीच लंबे-लंबे बिजली कट आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस हरियाणा को विकसित राज्य बताया जाता है, वहां आज गांवों और शहरों में पंचायतों की सबसे बड़ी मांग पेयजल टैंकर बन गयी है। यह स्थिति राज्य की जल प्रबंधन व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि अपने सांसद कोटे से उन्होंने कई गांवों में पानी के टैंकर उपलब्ध करवाये हैं, लेकिन इसके बावजूद मांग लगातार बढ़ रही है।

हाईराइज सोसायटी के फ्लैट में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र से एक बड़ी आग लगने की घटना सामने आई है, जिसने स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया। जानकारी के अनुसार, इंदिरापुरम स्थित गौर ग्रीन एवेन्यू नामक निजी हाउसिंग सोसाइटी के एक फ्लैट में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही समय में आसपास के फ्लैट्स और निवासियों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फ्लैट से धुआं और आग की ऊंची लपटें निकलती देख लोगों ने तुरंत सोसाइटी प्रबंधन और दमकल विभाग को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं

छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र

मुख्यमंत्री साय ने पेश किया महिला आरक्षण बिल पर चर्चा का प्रस्ताव

- विपक्ष ने गुमराह करने का लगाया आरोपज

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र में विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के लिए शासकीय संकल्प प्रस्ताव पेश किया. आंसदी ने चर्चा के लिए 4 घण्टे का समय निर्धारित किया. मुख्यमंत्री साय के प्रस्ताव के बाद नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत अशासकीय संकल्प प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे आसंदी ने अग्राह्य कर दिया. इस पर डॉ. महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री तो निंदा प्रस्ताव लाने वाले थे, लेकिन यह शासकीय संकल्प प्रस्ताव तो निंदा पर नहीं है. इसके साथ ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया. विपक्ष ने आरोप लगाया कि सदन के बाहर और अंदर सत्ता पक्ष की ओर महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है. प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विधायक लता उसेंडी ने कहा कि महिला आरक्षण पर रुकावट बनने का काम विपक्ष ने किया. महिला आरक्षण बिल को लोकसभा में गिराने का काम विपक्ष ने किया. महिलाओं की भावनाओं और सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया. कांग्रेस का पक्ष रखते हुए अनिला भेड़िया ने कहा कि महिला आरक्षण का कांग्रेस समर्थन करती है. महिला आरक्षण 2029 में लागू किया जाना चाहिए. 2023 में बिल पारित है. इसे तत्काल लागू किया जाना चाहिए. जिन्होंने नारी का अपमान किया उसका विनाश हुआ है. रामायण में माता सीता का हरण और रावण का विनाश नारी अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा और सम्मान का उदाहरण है

किरण ने कहा- कांग्रेस की कथनी और करनी में अंतर, रामकुमार यादव का पलटवार- मोदी का युग दिखावे में ना चले जाए

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर चर्चा के लिए आज छत्तीसगढ़ विधानसभा का विशेष सत्र हुआ. सत्र के संपन्न होने के बाद भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने महिला आरक्षण पर अपनी-अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि आजादी के बाद से 5 दशक तक देश में कांग्रेस की सरकार रही, इस दौरान महिलाओं के लिए काम क्यों नहीं किया? बीजेपी ने संसद में बिल लाया तब समर्थन क्यों नहीं दिया? नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2029 में लोकसभा और राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देने वाला बिल है. संसद में बिल को ध्वस्त करने का काम कांग्रेस ने किया. कांग्रेस की कथनी और करनी में हमेशा अंतर रहता है. वहीं महिला आरक्षण पर कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से महिलाओं का सम्मान किया है. लोकतंत्र में कांग्रेस ने देश की महिलाओं को पहली पंक्ति में रखा. कांग्रेस ने पहली महिला प्रधानमंत्री बनाने का काम किया. बीजेपी की मेन शाखा संघ है, जहां महिलाएं ही वर्जित हैं. बीजेपी महिलाओं की विरोधी है. कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को आगे कर काम किया है. कांग्रेस ने कभी दिखावा करने का काम नहीं किया. यह कलयुग है, कहीं मोदी का युग दिखावे में ना चले जाए, यह आगाह करता हूं.

मुख्यमंत्री साय से 'मिस इंडिया छत्तीसगढ़' अनुष्का सोन ने की मुलाकात, सदन का ऐतिहासिक सत्र सुनने पहुंची थीं विधानसभा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज विधानसभा में मिस इंडिया छत्तीसगढ़ 2026 अनुष्का सोन ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर अनुष्का ने मुख्यमंत्री को नारी सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर विशेष सत्र आयोजित करना एक प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलती है। अनुष्का ने बताया कि वे आज विधानसभा की ऐतिहासिक कार्यवाही को सुनने विशेष रूप से पहुंची थीं. और यह अनुभव अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण की प्रक्रिया को करीब से देखना उनके लिए एक नई सीख रही, जिससे वे समाज में महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए और अधिक प्रोत्साहित कर सकेंगी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं आगे आकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं, जो एक सशक्त और जागरूक समाज की पहचान है।

पंजाब सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

हरभजन का चढ़ा पारा...गद्दार लिखे जाने पर पहुंचे हाईकोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने इस मामले में याचिका दायर कर अपनी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। हरभजन ने सवाल उठाया है कि आखिर किस आधार पर उनकी सुरक्षा हटाई गई और इस फैसले के पीछे क्या कारण हैं। अपनी याचिका में हरभजन सिंह ने उस गंभीर घटना का भी जिक्र किया, जिसमें उनके घर के बाहर कथित तौर पर 'गद्दार' लिखा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनके घर के बाहर आकर हंगामा किया और माहौल खराब करने की कोशिश की। इस मामले में उन्होंने संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाएं उनकी और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार और केंद्र सरकार दोनों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक हरभजन सिंह और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही अदालत ने पंजाब सरकार से पूछा कि सुरक्षा समीक्षा किन आधारों पर की गई और सुरक्षा हटाने का फैसला क्यों लिया गया। कोर्ट ने यह भी कहा कि 'गद्दार' लिखे जाने की घटना पर अब तक क्या कार्रवाई हुई, इसकी पूरी जानकारी पेश की जाए।

संकटग्रस्त एमएसएमई और विमानन क्षेत्र को उबारने की तैयारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में चल रहे भयंकर युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण नकदी के भारी संकट से जूझ रहे भारतीय व्यवसायों को बड़ी राहत देने की पूरी तैयारी कर ली है। सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों एयरलाइंस और अन्य प्रभावित सेक्टरों को डूबने से बचाने के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की विशाल क्रेडिट गारंटी योजना का एक कैबिनेट नोट तैयार किया है। विभिन्न मंत्रालयों के बीच इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर विचार-विमर्श का काम पूरा हो चुका है और अब सभी की निगाहें कैबिनेट पर टिकी हैं, जहां से जल्द ही इस पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है।

हज यात्रा का हवाई किराया बढ़ा

सर्कुलर वापस ले सरकार ये सरासर शोषण-ओवैसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हालात और बढ़ती महंगाई का असर अब आम जिंदगी से लेकर धार्मिक यात्राओं तक साफ दिखाई देने लगा है. ताजा मामला हज यात्रा से जुड़ा है, जहां इस साल हज पर जाने वाले यात्रियों को बड़ा आर्थिक झटका लगा है. हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हवाई किराए में 10 हजार रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी कर दी है. असदुद्दीन ओवैसी ने हज कमेटी द्वारा यात्रियों से 10,000 हजार रुपये एक्स्ट्रा हवाई किराए की मांग पर सवाल उठाया है. उन्होंने कहा कि ये सरासर शोषण है. ओवैसी ने बताया कि यात्रियों की तरफ से पहले ही 90,844 लिए जा चुके हैं. ओवैसी ने तुरंत सर्कुलर वापस लेने को कहा है. ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हज कमेटी हज यात्रियों से 'हवाई किराए में अंतर' के नाम पर अतिरिक्त 10 हजार रुपए की मांग कर रही है।

डीआरडीओ-नेवी का सफल परीक्षण

राजनाथ सिंह बोले-देश की सेना की और बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली/ एजेंसी

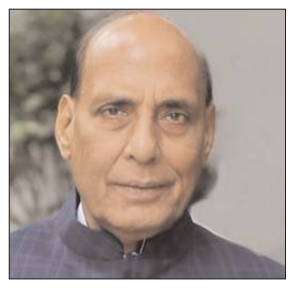

भारतीय नौसेना की मारक क्षमता में एक नया और घातक इजाफा हो गया है. ओडिशा के तट पर 'नेवल एंटी-शिप मिसाइल शॉर्ट रेंज'का सफल 'साल्वो लॉन्च किया गया. यह परीक्षण इसलिए खास है क्योंकि पहली बार एक ही हेलीकॉप्टर से दो मिसाइलें एक साथ दागकर दुश्मन के जहाज को तबाह करने की तकनीक का प्रदर्शन किया गया. यह मिसाइल मात्र एक हथियार नहीं, बल्कि स्वदेशी इंजीनियरिंग का नमूना है. इसमें वॉटरलाइन हिट क्षमताका सफल परीक्षण किया गया. इसका मतलब है कि यह मिसाइल दुश्मन के जहाज के उस हिस्से पर वार करती है जहाँ पानी और जहाज की बॉडी मिलती है. ऐसा करने से जहाज में तेजी से पानी भरता है और वह कुछ ही मिनटों में डूब जाता है. इस नई तकनीक के जरिए भारत ने साल्वो लॉन्च क्षमता को परखा. यानी एक लॉन्चर से कम समय में ज्यादा मिसाइलें दागना. यह तकनीक दुश्मन के रडार सिस्टम को चकमा दे सकती है. ओडिशा के चांदीपुर की टेस्ट रेंज में लगे रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम और टेलीमेट्री के जरिए मिसाइल की पूरी उड़ान और निशाने को ट्रैक किया गया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस मिसाइल के बनने से सेना की ताकत काफी बढ़ेगी. ख़ास बात ये है कि इस मिसाइल में शुरुआत के लिए बूस्टर और आगे उड़ान बनाए रखने के लिए अलग सिस्टम लगा है.

अंबाला कैंट में नयी सड़क एवं प्रशिक्षण संस्थान को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा है कि अंबाला कैंट के रंगिया मंडी से जीटी रोड तक नयी सड़क निर्माण के लिए रेलवे से भूमि 35 वर्ष की लीज पर लेने को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत राज्य सरकार रेलवे को लगभग चार करोड़ रुपये देगी। उन्होंने कहा कि करीब 500 मीटर लंबी और 10 मीटर चौड़ी यह सड़क रंगिया मंडी ओवरब्रिज से जीटी रोडतक बनायी जाएगी। इससे सदर बाजार और महेशनगर क्षेत्र को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और लोगों को स्टाफ रोड का लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।

नए सीएम की अटकलों को खरगे ने किया खारिज

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना नहीं-खरगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम राज्य (कर्नाटक) की इस उलझन को जल्द से जल्द सुलझाएंगे। साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री पद पर बदलाव को लेकर चल रही चर्चा पर बताया कि अभी राज्य के मुख्यमंत्री पद पर कोई बदलाव नहीं होने जा रहा। खरगे का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब राज्य में पार्टी और राजनीतिक स्तर पर यह बात चर्चा में आ रही है कि 4 मई को केंद्रशासित प्रदेश समेत चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद प्रदेश में नेतृत्व और कैबिनेट में बदलाव किया जाएगा। इस बीच प्रदेश में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार बातचीत के दौरान वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे को ही मुख्यमंत्री बनाने की बात कर डाली। उनका कहना है कि खरगे काफी अनुभव वाले नेता हैं। अगर वे मुख्यमंत्री बनते हैं तो राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी से हर कोई उनका स्वागत करेगा। राज्य के गृहमंत्री परमेश्वर के मुख्यमंत्री बनने वाले बयान पर सवाल पूछे जाने पर खरगे ने मीडिया से कहा कि आप, वे (परमेश्वर) और कई अन्य लोग कहते हैं कि मुझे मुख्यमंत्री बनना चाहिए, लेकिन मेरे बारे में फैसला मेरी किस्मत से ज्यादा मेरी विचारधारा और पार्टी के प्रति मेरी सेवा के आधार पर सोनिया गांधी लेती हैं।

धार सड़क हादसा

गांव-गांव उठीं अर्थियां,कहीं एक ही चिता पर जले आठ शव

धार / एजेंसी

धार के तिरला ब्लॉक स्थित इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को गहरे सदमे में डाल दिया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक ही परिवार के चार सदस्य भी शामिल हैं। बुधवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद सभी शवों को उनके गांवों के लिए रवाना किया गया। एक साथ इतने शव होने के कारण शव वाहनों की कमी पड़ गई, जिसके चलते झाबुआ, रतलाम और उज्जैन से अतिरिक्त वाहन बुलाने पड़े। हादसे में ग्राम नयापुरा के 9, सेमलीपुरा के 5 और रामपुरा के 2 लोगों की मौत हुई। गुरुवार सुबह सभी का अंतिम संस्कार अलग-अलग मुक्तिधामों में किया गया। घटना स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे डीआईजी ग्रामीण मनोज कुमार सिंह ने प्रारंभिक जांच में ओवरस्पीडिंग को हादसे का कारण बताया, साथ ही सड़क इंजीनियरिंग और ह्र्द्ध की लापरवाही भी सामने आई। घटनास्थल पर टर्न के पास न तो साइन बोर्ड थे और न ही कोई चेतावनी संकेत। यह हादसा बुधवार रात करीब 8:30 बजे तिरला थाना क्षेत्र के चिकलिया फाटे पर हुआ। तेज रफ्तार पिकअप का टायर फटने के बाद वह सामने से आ रही स्कॉर्पियो से टकरा गई।पिकअप में सवार मजदूर टक्कर के बाद वाहन से बाहर जा गिरे, जिससे मौतों की संख्या बढ़ गई। वाहन में कुल 44 मजदूर सवार थे, जो लेबड़ गांव में चुकंदर की फसल काटकर लौट रहे थे। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। घटना के बाद घायलों और शवों को तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। गुरुवार को गांवों में जब शव पहुंचे, तो माहौल बेहद भावुक हो गया। नयापुरा में एक ही परिवार के 8 लोगों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया, जिससे पूरा गांव शोक में डूब गया। वहीं सेमलीपुरा में मां, बहन, बेटी और भाभी की एक साथ अंतिम यात्रा निकली और एक ही चिता पर अंतिम संस्कार हुआ। यह दृश्य देख हर किसी की आंखें नम हो गई।केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने रामपुरा, सेमलीपुरा और नयापुरा पहुंचकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी। शुक्रवार को धार सर्किट हाउस में हादसे को लेकर समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें अधिकारियों ने कारणों की जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के निर्देश दिए। हादसे में घायल 44 मजदूरों का इलाज धार और इंदौर के विभिन्न अस्पतालों में जारी है। कई घायलों को अभी तक अपने परिजनों की मौत की जानकारी नहीं है। जिला अस्पताल धार में 9, विनायक अस्पताल में 3, महाजन अस्पताल में 4 और इंदौर के एक निजी अस्पताल में एक गंभीर घायल का आईसीयू में इलाज चल रहा है। यह हादसा न केवल 16 जिंदगियां छीन ले गया।

साथलका गांव में गैस सिलिंडर लीकेज से भड़की आग, एक ही परिवार के सात लोग झुलसे

कोटपूतली। भिवाड़ी के साथलका गांव स्थित बिल्लू लेबर कॉलोनी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खाना बनाते समय गैस सिलिंडर में हुए लीकेज के चलते अचानक भीषण आग भड़क उठी, जिसमें एक ही परिवार के सात लोग बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई और लोगों में चीख-पुकार सुनाई देने लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश निवासी 35 वर्षीय नेम सिंह अपने परिवार के साथ कॉलोनी में किराए के कमरे में रह रहा था। सुबह वह खाना बनाने के दौरान गैस सिलिंडर बदल रहा था। इसी दौरान नए सिलिंडर से गैस का रिसाव होने लगा। कुछ ही पलों में कमरे में एलपीजी गैस फैल गई और आग के संपर्क में आते ही तेज धमाके के साथ आग ने विकराल रूप ले लिया।

बेमेतरा में सुशासन तिहार 2026 और जनगणना 2027 को लेकर कलेक्टर की प्रेस वार्ता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता मे आज कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष मे सुशासन तिहार 2026 एवं जनगणना 2027 के संबंध मे प्रेस वार्ता आयोजित हुई 7 कलेक्टर ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों ही पहलें शासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकेंद्रित प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती प्रेमलता पदमाकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार 2026 : जनसमस्याओं के समाधान का अभियान

कलेक्टर ने बताया कि सुशासन तिहार 2026 शासन की सकारात्मक सोच का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों तक प्रशासन की पहुंच को आसान और प्रभावी बनाना है। इस अभियान के तहत 30 अप्रैल तक सभी विभागों द्वारा योजनाओं के आवेदनों का संतृप्तिकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मूल उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण करना, शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना और शासन को सीधे जन-जन तक ले जाना है।

जिले में 38 जनसमस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने बताया की जिले में इस अभियान के अंतर्गत कुल 38 जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें 23 शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में और 15 शिविर 11 नगर पंचायतों के नगरीय क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। ये शिविर 01 मई से 10 जून 2026 के बीच आयोजित होंगे।

थीम आधारित नवाचार से समाधान में तेजी

इस वर्ष भी शिविरों को थीम आधारित बनाया गया है, जिससे विभागवार समस्याओं का बेहतर समाधान हो सके। प्रत्येक शिविर के लिए एक नोडल विभाग निर्धारित किया गया है, जिससे कार्यों में समन्वय, जवाबदेही और त्वरित निराकरण सुनिश्चित होगा।

आवेदन प्रक्रिया और नागरिकों से अपील

कलेक्टर ने बताया कि शिविरों में नागरिकों से सीधे आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने अपील की कि प्रत्येक समस्या के लिए एक ही आवेदन प्रस्तुत करें तथा आवेदन में सभी आवश्यक जानकारी स्पष्ट रूप से भरें। शिविर स्थल पर आवेदन प्रारूप उपलब्ध रहेगा, जिससे किसी को असुविधा न हो।

एक माह में निराकरण, सतत मॉनिटरिंग

शिविरों में प्राप्त सभी आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण किया जाएगा। प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देना अनिवार्य होगा। साथ ही पूरे अभियान की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी, शिविरों के बाद समीक्षा बैठकें होंगी और वरिष्ठ अधिकारी फील्ड विजिट कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। इस अभियान के माध्यम से लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण होगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। यह पहल ÷सरकार आपके द्वार÷ की अवधारणा को साकार करती है, जिसमें प्रशासन स्वयं जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करता है।

जनगणना 2027 : प्रथम चरण 01 से 30 मई तक

मकान सूचीकरण और गणना का कार्य-कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 का प्रथम चरण 01 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जिसमें प्रगणक घर-घर जाकर 33 बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे। जिले में 1542 ब्लॉक और 1495 प्रगणक तैनात 7 जिले में कुल 11 नगरीय निकाय और 09 तहसीलों को मिलाकर 20 चार्ज बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत 1542 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (ब्लॉक) तैयार किए गए हैं। कार्य के लिए 1495 प्रगणक और 263 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक 6 प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक तैनात रहेगा।

डिजिटल माध्यम से होगी जनगणना

इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। प्रगणक ब्लॉक मोबाइल ऐप के जरिए डेटा संकलन करेंगे और सभी कार्यों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। इससे डेटा अधिक सटीक और समय पर उपलब्ध होगा, साथ ही नागरिकों की गोपनीयता भी पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएगी।

जनगणना का महत्व और उद्देश्य

कलेक्टर ने बताया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना नहीं है, बल्कि यह देश के विकास की आधारशिला है। इसके आधार पर स्कूल, अस्पताल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की योजना बनाई जाती है। जनगणना का द्वितीय चरण फरवरी 2027 में आयोजित होगा, जिसमें जनसंख्या की गणना की जाएगी।जनगणना के सफल संचालन के लिए जिले में फ्लेक्स, पोस्टर, पाम्पलेट, एलईडी डिस्प्ले, केबल नेटवर्क और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। साथ ही प्रगणकों एवं अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। नागरिकों से सहयोग की अपील

कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे प्रगणकों को सही एवं स्पष्ट जानकारी प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है 7 प्रेस वार्ता के अंत में कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार और जनगणना जैसे अभियान प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ विकास को नई दिशा देंगे।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव करने जिले के एसपी साहब स्वयं उतरे मैदान में

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय शक्ति शहर में आए दिन ट्रैफिक जाम से होने वाली परेशानियों को देखते हुए जिले के पुलिस कप्तान आईपीएस प्रफुल्ल कुमार ठाकुर स्वयं बुधवार की देर शाम शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग मालखरौदा बस स्टैंड एवं अग्रसेन चौक पर पूरी व्यवस्थाओं का जायजा लेते नजर आए। इस दौरान उनके साथ नगर पालिका परिषद शक्ति के अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल। शक्ति जिले के यातायात प्रभारी निरीक्षक वाई एन शर्मा। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस शक्ति डॉक्टर भुनेश्वरी पैंकरा। पुलिस थाना शक्ति के टी आई लखन पटेल। जिला यातायात विभाग के सह प्रभारी सिंह सहित पुलिस विभाग एवं यातायात विभाग के अधिकारी- कर्मचारी मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस कप्तान ठाकुर ने जहां अग्रसेन चौक में लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए शहर के मालखरौदा बस स्टैंड गायत्री मंदिर के पास स्वयं लगभग 2 घंटे तक खड़े होकर वहां की ट्रैफिक व्यवस्थाओ की जानकारी ली। तथा इस दौरान नगर पालिका शक्ति के अध्यक्ष श्यामसुंदर अग्रवाल ने बताया कि आने वाले समय में नगर पालिका द्वारा मालखरोटा बस स्टैंड से झूलकदम जाने वाले मार्ग को भी चौड़ीकरण किया जाएगा एवं चौड़ीकरण करने के बाद निश्चित रूप से यातायात व्यवस्था में काफी बदलाव होगा। तो वहीं जिला पुलिस कप्तान ने बताया कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए झूल कदम तरफ से आने वाले चार चक्का एवं बड़े वाहनों को वनवे किया जाएगा। ये सभी वाहन गायत्री मंदिर के बगल से शनि मंदिर होते हुए डाइवर्ट होंगे एवं अग्रसेन चौक से झूलकदम तक या मार्ग सिर्फ वनवे होगा। जिसमें अग्रसेन चौक की ओर से ही वाहन आ सकेंगे। वहीं इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्थाओं को समझते हुए आने वाले दिनों में शहर के सभी जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर इस बदलाव को करने का भी निर्णय लिया गया एवं शहर में जिला मुख्यालय होने के कारण आए दिन छोटे-बड़े वाहनों का दबाव काफी रहता है।

जिला शिक्षा अधिकारी की मौजूदगी में कक्षा 5वीं और 8वीं की वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित

सक्ती/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार, जिला सक्ती में सत्र 2025-26 की कक्षा पांचवी एवं आठवीं की केंद्रीकृत वार्षिक परीक्षा का परिणाम 30 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:00 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने आधिकारिक रूप से परिणामों की घोषणा की। कक्षा पांचवीः इस सत्र में कुल 12,407 छात्र पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 11,936 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। कुल 11,794 छात्र सफल रहे, जिससे कक्षा पांचवी का परीक्षा परिणाम 95.05% रहा। कक्षा आठवींः कुल 11,534 पंजीकृत छात्रों में से 10,878 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए तथा 10,230 छात्र सफल रहे। कक्षा आठवीं में जिले का परीक्षा परिणाम 88.69% रहा। अस्थाई प्रावीण्य सूची में जिले के मेधावी छात्रों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया है।कक्षा पांचवीः धनुष प्रथम चौहान, सरस्वती शिशु मंदिर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल चंद्रपुर (विकासखंड डभरा) ने 98.95% अंक प्राप्त कर जिले की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया।कक्षा आठवींः इशांत चंद्रा, प्रदीक्षा पब्लिक स्कूल छोटे सीपत (विकासखंड मालखरौदा) ने 98.58% अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. कुमुदिनी वाघ द्विवेदी ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके निरंतर आगे बढ़ने और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राकेश अग्रवाल (जिला सांख्यिकी अन्वेषक अधिकारी), अमर सिंह राज (जिला क्रीड़ा अधिकारी), सुरेश कुमार जायसवाल (जिला नोडल), कमलादपी गवेल (सहायक नोडल) सहित परीक्षा विभाग टीम से रेवती रमण साहू, भूपेंद्र कुमार साहू, जयंती खमारी, महेंद्र कुमार चंद्रा, चंचला चंद्रा, पूनम चौहान, एल.डी. महंत, रोशन पटेल, अनीता अग्रवाल एवं कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

मनेंद्रगढ़ में जिला अधिवक्ता । संघ चुनाव की तैयारियां पूरी, 2 मई को मतदान

मनेंद्रगढ़/मूक पत्रिका

जिला अधिवक्ता संघ के आगामी चुनाव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्वाचन अधिकारी अशोक सिंह के निर्देशन में सहायक निर्वाचन अधिकारी जयलाल सिंह करयाम द्वारा 2 मई 2026, दिन शनिवार को होने वाले मतदान की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाने के लिए अधिवक्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। चुनाव से संबंधित किसी भी प्रकार के अभद्र, भ्रामक या उकसावे वाले शब्दों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही मतदान के दौरान किसी भी अधिवक्ता को मोबाइल फोन अपने साथ अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। सभी को अपने मोबाइल फोन पीठासीन निर्वाचन अधिकारी के पास जमा कर मतदान करना होगा। इसके अलावा सभी मतदाताओं को संघ द्वारा जारी परिचय पत्र लेकर आने को कहा गया है. निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, मतगणना प्रक्रिया मतदान के दिन शाम 4 बजे से प्रारंभ की जाएगी। इसके बाद विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी के हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। मतगणना में शामिल होने वाले सभी अधिवक्ताओं के लिए पहचान पत्र अनिवार्य रहेगा।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से शुरू, जिलेभर के लाभार्थी होंगे लाभान्वित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बेमेतरा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ 1 मई को प्रातः 7:30 बजे पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय शिवलाल राठी विद्यालय में किया जाएगा। जिले के विभिन्न खेल मैदानों में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को सुविधाजनक स्थानों पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। इस 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में क्रिकेट, कराते, गतका, नेटबॉल, खो-खो, बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस जैसे खेलों का प्रशिक्षण अनुभवी व्यायाम शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में दिया जाएगा। क्रिकेट, कराते और टेबल टेनिस का प्रशिक्षण सेजेस राठी विद्यालय में, बैडमिंटन, गतका और नेटबॉल का स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में, जबकि कराते का प्रशिक्षण कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बेमेतरा, साजा एवं कृषि उपज मंडी मैदान में आयोजित होगा। इस आयोजन में विभिन्न खेल संघों के खिलाड़ियों एवं कोचों का सराहनीय सहयोग मिल रहा है। जिला कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के बच्चों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में खेलों से जुड़ने और अपने कौशल को निखारने की अपील की है। वहीं जिला खेल अधिकारी सुश्री पिंकी मनहर ने बताया कि इस शिविर से शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी लाभान्वित होंगे। जिले के ग्रामीण खेल अभ्यास केंद्रों में भी शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिल सकेगा।

'बेटियाँ जब सपनों को संकल्प में बदलती हैं, तब इतिहास खुद उनके कदमों में झुक जाता है'- विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों में बेमेतरा जिले की प्रतिभाशाली बेटी कु. ओमनी वर्मा ने प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर एक नया इतिहास रच दिया है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा की वाणिज्य संकाय की छात्रा ओमनी की इस असाधारण उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और विद्यालय बल्कि पूरे जिले और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू स्वयं छात्रा के निवास स्थान पहुँचे और उन्हें मिठाई खिलाकर, पुष्पगुच्छ एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने छात्रा, उनके माता-पिता एवं शिक्षकों को हृदय से बधाई दी और इस सफलता को पूरे बेमेतरा की सामूहिक उपलब्धि बताया।इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने भावनात्मक शब्दों में कहा–ओमनी जैसी बेटियाँ सिर्फ अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का मान बढ़ाती हैं। यह सफलता केवल अंकों की नहीं है, यह संघर्ष, अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास की जीत है। जब एक साधारण परिवार की बेटी, सरकारी विद्यालय में पढ़ते हुए पूरे प्रदेश में अपना परचम लहराती है, तब यह संदेश पूरे समाज तक पहुँचता है कि सपनों को पूरा करने के लिए संसाधनों से अधिक जरूरी हौसला और मेहनत होती है।÷उन्होंने आगे कहा–आज ओमनी ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। अगर इरादे मजबूत हों, तो हर चुनौती रास्ता बन जाती है। यह उपलब्धि उन सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ओमनी भविष्य में और भी ऊँचाइयों को छुएगी और देश-प्रदेश का नाम रोशन करेगी।÷विधायक साहू ने विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा–सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में असीम क्षमता है। जरूरत है तो केवल उन्हें सही दिशा, प्रोत्साहन और अवसर देने की। ओमनी की सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारे शासकीय विद्यालय किसी भी निजी संस्थान से कम नहीं हैं।÷उन्होंने छात्रा के माता-पिता और शिक्षकों के योगदान को भी नमन करते हुए कहा–हर सफल विद्यार्थी के पीछे उसके माता-पिता का त्याग और शिक्षकों का मार्गदर्शन होता है। मैं ओमनी के माता-पिता और उनके गुरुजनों को भी इस उपलब्धि के लिए हृदय से बधाई देता हूँ, जिन्होंने उसे सही दिशा और संस्कार दिए।÷

केंद्र सरकार द्वारा OBC समाज को जानबूझकर नजरअंदाज करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण -अनुराग महतो

OBC समाज का अपमान बंद कर उन्हें उनका हक प्रदान करें केंद सरकार!

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर महामंत्री अनुराग महतो ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा केंद्र सरकार द्वारा ह्वष्ट समाज को जानबूझकर नजरअंदाज करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है जातिगत जनगणना में ह्वष्ट के लिए अलग कॉलम/कालम कोड नहीं देने का विरोध करना केंद्र सरकार की श्वङ्घ विरोधी चेहरा उजागर होता प्रतीत हो रहा है केंद्र सरकार ने 2026-27 की आगामी जनगणना में जातिगत गणना शामिल करने का ऐलान तो कर दिया, लेकिन ह्वष्ट समाज के साथ फिर से अन्याय किया जा रहा है। जनगणना फॉर्म में स्ष्ट और स्स्र के लिए अलग कॉलम तो रखा गया है, लेकिन ह्वष्ट वर्ग के लिए कोई अलग कॉलम या स्पष्ट कालम कोड नहीं दिया गया है। यह ह्वष्ट समाज को जानबूझकर नजरअंदाज करने और उनके सही आंकड़ों को छिपाने की कोशिश है।ह्वष्ट समाज देश की आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा है।

बिहार जैसे राज्यों के सर्वे में ह्वष्ट और श्वष्ट मिलाकर 60त्न से अधिक आबादी सामने आई है। यदि केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कर भी रही है, तो ह्वष्ट के लिए अलग से कॉलम और स्पष्ट कोड दिए बिना यह गणना अधूरी और पक्षपाती होगी। इससे ह्वष्ट वर्ग को उनके वास्तविक अनुपात में आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और विकास योजनाओं में न्याय नहीं मिल पाएगा। शहर जिला कांग्रेस महामंत्री अनुराग महतो ने आगे कहा सरकार से हमारी स्पष्ट मांग हैं कि जातिगत जनगणना फॉर्म में ह्वष्ट वर्ग के लिए अलग कॉलम तुरंत जोड़ा जाए ह्वष्ट की सभी उप-जातियों के लिए स्पष्ट कालम कोड सुनिश्चित किया जाए, ताकि सटीक गणना हो सके।केंद्र और राज्य ह्वष्ट सूचियों को मिलाकर एक व्यापक कोड डायरेक्टरी तैयार की जाए।50त्न आरक्षण की सीमा हटाकर ह्वष्ट समाज को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण दिया जाए।जनगणना की प्रक्रिया में कोई राजनीतिक हस्तक्षेप न हो और ह्वष्ट समुदाय को पूर्ण न्याय मिले।यह केंद्र सरकार का ह्वष्ट समाज के प्रति पूर्वाग्रह है। जब स्ष्ट-स्स्र के लिए अलग कॉलम है, तो ह्वष्ट को अलग कॉलम क्यों नहीं? क्या ह्वष्ट समाज दूसरे दर्जे का नागरिक है? कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर पूरे देश में ह्वष्ट समाज के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी करेगी।हमारी स्पष्ट मांग है कि केंद्र सरकार तुरंत जनगणना फॉर्म में संशोधन कर ह्वष्ट कॉलम और कोड शामिल करे, अन्यथा यह जनगणना ह्वष्ट समाज के प्रति अन्यायपूर्ण साबित होगी।

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु समाधान शिविरों का व्यापक आयोजन

सुशासन तिहार 2026 : शासन आपके द्वार, समाधान हर घर तक

ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में तय तिथि-स्थान पर लगेंगे शिविर, आमजन को मिलेगा सीधा लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सुशासन तिहार 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में समाधान शिविरों के आयोजन के लिए तिथि और स्थान निर्धारित कर दिए गए हैं। इन शिविरों में नागरिकों से उनकी समस्याओं, मांगों और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जाएंगे तथा विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर ने सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अधिक से अधिक लोगों को शिविरों में लाभान्वित किया जाए और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

अभियान का उद्देश्य और लाभ

सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य शासन-प्रशासन को सीधे आमजन तक पहुंचाना और उन्हें कार्यालयों के चक्कर से राहत देना है। इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके। अभियान से लंबित प्रकरणों का तेजी से निपटारा होगा, प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी और जनभागीदारी को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में 23 समाधान शिविर

विकासखंड बेमेतरा-विकासखंड बेमेतरा में 6 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। 5 मई को ग्राम पंचायत मोहरेगा, 8 मई को सेमरिया, 13 मई को धोलिया, 18 मई को खिलोरा, 22 मई को चोरभट्ठी तथा 3 जून को बैहरसरी में शिविर लगाए जाएंगे।

विकासखंड बेरला

बेरला विकासखंड में कुल 5 शिविर आयोजित होंगे। 5 मई को सलधा, 15 मई को रेवे, 22 मई को आनंदगांव, 29 मई को सांकरा तथा 9 जून को लाटा में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

विकासखंड नवागढ़

नवागढ़ में कुल 6 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। 7 मई को मोहतरा, 12 मई को नारायणपुर, 18 मई को कुरा, 21 मई को कटई, 26 मई को झांकी तथा 4 जून को खेड़ा में शिविर लगाए जाएंगे।

विकासखंड साजा

साजा विकासखंड में भी 6 शिविर आयोजित किए जाएंगे। 6 मई को दर्री, 13 मई को घीवरी, 15 मई को ठेलका, 19 मई को बिरनपुर, 22 मई को तेंदूभाठा तथा 3 जून को गाड़ाडीह में शिविर आयोजित होंगे।

नगरीय निकायों में 15 समाधान शिविर

नगरीय क्षेत्रों में भी आमजन की सुविधा के लिए 15 समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। नगर पालिका परिषद बेमेतरा में 13 मई को गांधी भवन वार्ड 4, 20 मई को सिंघोरी स्थित कबीर कुटी सांस्कृतिक मंच तथा 28 मई को भद्रकाली मंदिर परिसर में शिविर लगाए जाएंगे।

नगर पंचायत भीभोरी में 14 मई, दाढ़ी में 28 मई, देवकर में 29 मई, कुसमी में 14 मई, मारो में 28 मई को शिविर आयोजित होंगे।

नगर पंचायत नवागढ़ में 22 मई को वार्ड 15 सतनाम भवन, 28 मई को वार्ड 10 कार्यालय भवन और 3 जून को वार्ड 14 टाउन हॉल में शिविर लगाए जाएंगे।इसके अतिरिक्त परपोड़ी में 28 मई (वार्ड 7 मंगल भवन), साजा में 20 मई (वार्ड 13 नगर भवन), थानखमहारीया में 21 मई (नगर पंचायत कार्यालय) तथा बेरला में 5 जून को नगर पंचायत कार्यालय में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा।

शासन की पहल से बढ़ेगा जनविश्वास

सुशासन तिहार 2026 केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह पहल ÷सरकार आपके द्वार÷ की अवधारणा को साकार करते हुए प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को मजबूत करेगी। इस अभियान से न केवल समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी और आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त होगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न, 58.55 करोड़ के निवेश से 18 नए उद्योग स्थापित

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक आज कलेक्टर परिसर स्थित मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने तथा निवेश संबंधी प्रकरणों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में नवीन उद्योग स्थापना, शासकीय एवं निजी भूमि के संयुक्त स्थल निरीक्षण, भूमि हस्तांतरण एवं अधिग्रहण, उद्योग स्थापना में आने वाली समस्याओं के निराकरण, औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा निजी सीबीएसई विद्यालय एवं मिनी मॉल की स्थापना हेतु संभावित नगरीय निकायों/विकासखंडों के संबंध में चर्चा की गई।जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बिलासपुर के प्रभारी मुख्य महाप्रबंधक श्री सी.डी. प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 18 उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनमें 58.55 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। इन उद्योगों के माध्यम से 278 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि अनुभाग एवं तहसील स्तर पर लंबित शासकीय भूमि हस्तांतरण एवं निजी भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। साथ ही उद्योग स्थापना से संबंधित विभिन्न विभागों से आवश्यक अनुमति, अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं भूमि डायवर्सन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में हितग्राहीमूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) अंतर्गत 17 के लक्ष्य के विरुद्ध 61 प्रकरण स्वीकृत हुए हैं, जिनमें 23 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) अंतर्गत 110 के लक्ष्य के विरुद्ध 111 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 89 प्रकरणों में ऋण वितरण किया गया है। पूर्व बैठक के निर्देशों के पालन में औद्योगिक क्षेत्र सिरगिट्टी ओव्हरब्रिज में प्रकाश व्यवस्था सुधार के संबंध में जानकारी दी गई कि 120 वाट हाईमास्ट लाइट स्थापना हेतु 10 अप्रैल 2026 को निविदा प्रकाशित की गई है, जिसकी अंतिम तिथि 5 मई 2026 निर्धारित है। कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित होगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंबिकापुर में तालाब घोटाले का बड़ा खुलासाः 6.25 एकड़ घटकर 57 डिसमिल

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित रिंग रोड बांध तालाब मामले में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। रिंग रोड बांध सहित कई तालाबों पर अवैध कब्जे और फर्जी दस्तावेजों के जरिए नामांतरण किए जाने के आरोप सामने आए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश मिश्रा ने दावा किया है कि लगभग 6.25 एकड़ क्षेत्रफल वाला तालाब अब सिमटकर मात्र 57 डिसमिल रह गया है। इतना ही नहीं, आरोप है कि जनवरी 2026 में बची हुई जमीन की भी रजिस्ट्री कर दी गई। मामले में यह भी कहा जा रहा है कि तालाब क्षेत्र को रातों-रात पाटकर कब्जा किया गया और फर्जी कागजात के आधार पर जमीन का नामांतरण कराया गया। सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जयलाल नामक व्यक्ति के दो अलग-अलग मृत्यु प्रमाण पत्र सामने आए हैं। एक प्रमाण पत्र में मृत्यु तिथि 23 अप्रैल 1976 (जारी वर्ष 2018) दर्ज है, जबकि दूसरे में 12 अप्रैल 1963 (जारी वर्ष 2025) बताई गई है। इससे दस्तावेजों की सत्यता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा, पटवारी और तहसील स्तर पर अनियमितताओं, वंशवृक्ष में गड़बड़ी, बिना तारीख के आधिकारिक पत्र जारी होने और अलग-अलग मामलों में अलग-अलग वंशवृक्ष प्रस्तुत किए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं।

बलरामपुर में 22 हाथियों का दल सक्रिय

बलरामपुर। सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिले में हाथियों का बड़ा दल पिछले एक माह से लगातार सक्रिय है। जानकारी के अनुसार, करीब 22 हाथियों का झुंड रामानुजगंज वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहा है, जिससे आसपास के गांवों में भय का माहौल बना हुआ है। यह दल शिवपुर, फुलवार, लोधा और महावीरगंज सहित कई इलाकों में लगातार घूम रहा है। कई बार हाथियों का समूह मुख्य सड़कों तक पहुंच गया, जिससे राहगीरों में दहशत फैल गई और आवाजाही प्रभावित हुई। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है। टीम हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है

30 अप्रैल तक लंबित प्रकरण निपटाने के निर्देश

सुशासन तिहार और जनगणना को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार

- 1 मई से दो बड़े अभियान शुरू : 73 शिविरों के साथ सुशासन तिहार
- टीएल बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल की समीक्षा, प्रशासनिक तैयारियों को दिया अंतिम रूप

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक लेकर आगामी 1 मई से शुरू हो रहे सुशासन तिहार और जनगणना कार्य की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को 30 अप्रैल तक सभी लंबित मामलों के निराकरण के निर्देश देते हुए दोनों महत्वपूर्ण अभियानों को सफल बनाने के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करने को कहा।कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मंगलवार को आयोजित टीएल बैठक में जिले में शुरू होने जा रहे दो बड़े अभियानोंक सुशासन तिहार और जनगणना की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सुशासन तिहार प्रारंभ होने से पहले सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण कर लिया जाए, ताकि शिविरों में आमजन को त्वरित राहत मिल सके। कलेक्टर ने बताया कि जिले में सुशासन तिहार के दौरान कुल 73 शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 31 शिविर ग्रामीण क्षेत्रों और 42 शिविर शहरी क्षेत्रों में लगाए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों के संचालन की जिम्मेदारी जनपद पंचायत के सीईओ तथा शहरी क्षेत्रों में निगम आयुक्त एवं संबंधित सीएमओ को सौंपी गई है। शिविर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्धारित स्थलों पर आयोजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को समय पर उपस्थित रहने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर शिविरों की जानकारी देने के निर्देश दिए।बैठक में 1 मई से शुरू हो रही जनगणना की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने

नागरिकों से 30 अप्रैल तक स्व-गणना फॉर्म भरने की अपील करते हुए कहा कि जनगणना में जानकारी देना प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। जानकारी न देने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना से प्राप्त जानकारी का उपयोग केवल नीति निर्माण के लिए किया जाएगा तथा जनगणना अधिनियम 1948 के तहत डेटा की गोपनीयता पूर्णत: सुरक्षित रखी जाएगी। 1 मई से प्रगणक घर-घर जाकर 34 बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित करेंगे। कलेक्टर ने जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद के अंतर्गत आगामी 5 वर्षों की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से 30 अप्रैल तक ऑनलाइन माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया, जिनसे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके और जिनके लिए अन्य स्त्रोतों से पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शेष पात्र किसानों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 1.02 लाख किसान इस योजना का लाभ ले रहे हैं, जबकि लगभग 25 हजार और किसानों को इससे जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा, खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए खाद और बीज की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अग्रिस्टेक पोर्टल में पंजीकृत किसानों को ही खाद उपलब्ध कराया जाएगा और 1 मई से सॉफ्टवेयर शुरू होने पर वितरण प्रक्रिया प्रारंभ होगी। बैठक में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरण प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने टीएल, जनदर्शन, मुख्यमंत्री घोषणाओं, पीएम पोर्टल तथा उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित मामलों की भी समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दलहन तिलहन की भी सरकार समर्थन मूल्य पर कर रही खरीदी

बिलासपुर। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के अंतर्गत किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चना, मसूर और सरसों की खरीदी की जा रही है। इस पहल से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित हो रहा है और बाजार के उतार-चढ़ाव से राहत मिल रही है। जिले में बिल्हा, सेदरी, जयरामनगर, तखतपुर और कोटा स्थित 5 सोसाइटी के माध्यम से खरीदी की व्यवस्था की गई है। इन केंद्रों पर चना 5875 रुपये प्रति क्विंटल, मसूर 7000 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों 6500 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य तय किया गया है। अब तक जिले में कुल 548 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिससे योजना के प्रति किसानों की बढ़ती रुचि स्पष्ट हो रही है। खरीदी कार्य भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। वर्तमान में 5

किसानों से 26 क्विंटल चना तथा 8 किसानों से 90 क्विंटल सरसों की खरीदी की जा चुकी है। प्रशासन द्वारा खरीदी केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित केंद्रों पर पहुंचकर अपनी उपज का विक्रय करें और शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ उठाएं। सरसों फसल के लिए 30 अप्रैल एवं चना फसल के लिए 15 मई तक किसान समिति के माध्यम से अपना पंजीयन करा सकते है।

जनदर्शन में मेधू राम को मिली त्वरित राहत, कलेक्टर ने सौंपी व्हीलचेयर.....

बिलासपुर। जनदर्शन कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता और तत्परता से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज आयोजित जनदर्शन में दिव्यांग वृद्ध श्री मेधूराम खांडे की समस्या का तत्काल समाधान करते हुए मौके पर ही कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल द्वारा श्री खांडे को व्हीलचेयर प्रदान की गई।जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में इमलीभाटा अंबेडकर आवास, सरकंडा निवासी श्री मेधू राम खांडे को त्वरित लाभ मिला। वे अपनी समस्या लेकर कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे थे। उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति को देखते हुए व्हीलचेयर की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए

आवेदन पर तत्काल संज्ञान लिया और बिना किसी देरी के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। निर्देश मिलते ही श्री मेधू राम खांडे को व्हीलचेयर प्रदान किया गया। इस दौरान एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी एवं समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री टीपी भावे भी मौजूद थे। इस सहायता से लाभार्थी मेधू राम खांडे के चेहरे पर संतोष और खुशी के भाव देखे गए।

पत्नी से नाराज युवक 400 फीट ऊंचे हाईटेंशन टावर पर चढ़ा.....

मरवाही। जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत जिल्दा गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक 33 केवी हाईटेंशन लाइन के करीब 400 फीट ऊंचे टावर पर चढ़कर ऊपर जा बैठा। युवक को इतनी ऊंचाई पर देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय केवल सिंह आयाम अपनी पत्नी से नाराज था। उसकी पत्नी बीते 3-4 दिनों से गांव में अपने रिश्तेदार के यहां आयोजित विवाह कार्यक्रम में गई हुई थी और वापस नहीं लौटी थी। इसी बात से आक्रोशित होकर युवक ने यह खतरनाक कदम उठा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक टावर के शीर्ष पर पहुंचकर करीब 2 से 3 घंटे तक वहीं बैठा रहा। इस दौरान नीचे खड़े परिजन और ग्रामीण उसे लगातार समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह नीचे आने को तैयार नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। संभावित खतरे को देखते हुए तत्काल बिजली विभाग से संपर्क कर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। इसके बाद संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। लंबी समझाइश और कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। घटना के दौरान मौके पर भारी भीड़ मौजूद रही और सभी की नजरें रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी रहीं। पुलिस ने बताया कि युवक पूरी तरह सुरक्षित है और उससे पूछताछ की जा रही है।

सुशासन तिहार में पानी पर फोकस :749 हैंडपंप सुधार,154 गांव में रिचार्ज प्लान

- ग्रामीण पेयजल व्यवस्था मजबूत करने विशेष अभियान, हजारों मीटर पाइपलाइन बढ़ाई गई

बिलासपुर। सुशासन तिहार एवं चालू गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला प्रशासन के सहयोग से जिले में विशेष संधारण अभियान चलाकर पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में पिछले एक माह के दौरान चलाए गए इस अभियान के तहत खराब पड़े 749 हैंडपंपों का सफलतापूर्वक सुधार किया गया।

इससे ग्रामीणों को काफी राहत मिली है। अभियान के दौरान जल उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से 1335 मीटर राइजर पाइप बढ़ाए गए तथा 732 मीटर पाइपों का प्रतिस्थापन किया गया है। वर्तमान में जिले के 668 ग्रामों में कुल 9250 हैंडपंप स्थापित हैं, जिनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। गिरते भूजल स्तर को ध्यान में रखते हुए जिले में पेयजल परिरक्षण अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। साथ ही, पंचायतों द्वारा कराए जाने वाले बोरिंग कार्यों में तकनीकी स्वीकृति के दौरान इंजेक्शन वेल को अनिवार्य किया गया है, जिससे भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिल सके। भूजल संवर्धन के तहत जिले के सभी चारों विकासखंडों में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 154 ग्रामों में इंजेक्शन वेल सहित स्त्रोत स्थिरता के कार्य प्रस्तावित किए गए हैं, जो दीर्घकालीन जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। जिला प्रशासन द्वारा पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं भूजल स्तर के संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे आमजन को गर्मी के मौसम में पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने लोगों की समस्याएं सुनी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने कलेक्टर से मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं संयुक्त कलेक्टर श्री एसएस दुबे ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में आज ग्राम भुरकुण्डा के ग्रामीणों ने बड़े नहर पार मार्ग पर वर्षों से सड़क नहीं बनने की समस्या उठाई। उनका कहना है कि खुटाघाट से सोन तक करीब 46-47 मील के बीच चार पहिया वाहन नहीं चल पाते और बरसात के समय पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने लगभग 2 किलोमीटर तक सड़क निर्माण कराने की मांग की है। वहीं एक अन्य आवेदन में ग्राम रांक के निवासी नवल किशोरे ने मिशल, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशासन से जल्द प्रमाण पत्र जारी करने की अपील की। ग्राम रांक से ही इंदल बंजारे द्वारा पेयजल और बिजली से संबंधित समस्या रखी गई। ग्रामीण ने बताया कि पूर्व में बने बोर को बंद कर दिए जाने से पानी की समस्या बढ़ गई है, वहीं लगातार बिजली कटौती से हालात और खराब हो रहे हैं। उन्होंने कलेक्टर से पानी और बिजली की व्यवस्था सुधारने की मांग की। भुरकुण्डा के ग्रामीणों ने भुरकुण्डा और सोडाडीह के बीच छोटे नाले पर पुलिया (रपटा) निर्माण के संबंध में

कलेक्टर से मुलाकात की। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया नहीं होने से आवागमन बाधित होता है, खासकर बारिश के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है। ग्राम चोरा के ग्रामीणों न कलेक्टर के समक्ष गंगा मछवारा समिति के विरूद्ध शिकायत करते हुए कहा कि तालाब का पानी मछली पालन के लिए पूरी तरह उपयोग कर लिया जाता है, जिससे हैंडपंप और कुओं का जलस्तर गिर गया है और पीने के पानी की समस्या बढ़ गई है। ग्रामीणों ने उचित कार्रवाई कर तालाब के उपयोग को संतुलित करने की मांग की है। मस्तुरी के एरमसाही निवासी सियाराम कुर्रे ने भूमि सीमांकन न होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। उनका कहना है कि सीमांकन नहीं होने के कारण भूमि संबंधी कार्य अटके हुए हैं और उन्हें लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शीघ्र सीमांकन कराने की मांग की है। बिल्हा तहसील के ग्राम कुंआ बोड़सरा के ग्रामीणों ने बोड़सरा धाम के मेला परिसर में पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने बताया कि हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आते हैं, लेकिन पानी की उचित व्यवस्था न होने से विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

पानी पाउच बहाना बनाकर बाइक चोरी,7 दिन में चोर गिरफ्तार

बिलासपुर। मस्तूरी क्षेत्र की चौकी मल्हार पुलिस ने एक शातिर मोटरसाइकिल चोर को महज 7 दिनों के भीतर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है, जहां आरोपी ने बेहद चालाकी से लिफ्ट मांगकर वारदात को अंजाम दिया था। मामला 20 अप्रैल 2026 का है, जब प्रार्थी भारत लाल केवट, निवासी ग्राम पकरिया थाना मुलमुला जिला जांजगीर-चांपा, अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त 11 क्रा॥ 4552 से ससुराल वेदपरसदा मस्तूरी आया हुआ था, वापसी के दौरान रास्ते में एक अज्ञात व्यक्ति ने लिफ्ट मांगी और बुढ़िखार गांव पहुंचते ही उसने पानी पाउच लाने का बहाना बनाकर प्रार्थी को होटल भेज दिया, जैसे ही प्रार्थी दुकान की ओर गया, आरोपी मौके का फायदा उठाकर बाइक लेकर फरार हो गया और कुछ ही पलों में गायब हो गया। पीड़ित ने आसपास काफी तलाश की लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो चौकी मल्हार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच शुरू की, फुटेज खंगाले गए, संदिग्ध की तस्वीर निकाली गई और अलग-अलग गांवों में लोगों को दिखाकर पहचान की कोशिश की गई, इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि ग्राम गीधपुरी निवासी नरोत्तम दास वैष्णव (उम्र 55 वर्ष) ने चोरी की बाइक को अपने घर में कपड़े से ढंककर छुपा रखा है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं।

हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है।

विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों

को मानवता के लिए मुक्त रखा। सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल

सुधीर कुमार

- बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है।
- ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है।
- भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है।
- इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है।
- इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं।
- सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों। विधिक दृष्टिकोण से, 6 महीने से अधिक पुराने पर्चे पर दवा मंगवाना न केवल स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इसे 'अवैध खरीद' की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। 'भारी डिस्काउंट' के प्रलोभन में गुणवत्ता से समझौता करना अपने जीवन को दांव पर लगाने जैसा है।
- अक्सर ई-फार्मेसी कंपनियां खुद को महज 'बिचौलिया' बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे 'डेफिशिएंसी इन सर्विस' (सेवा में कमी) के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए बाध्य हैं। डिजिटल बिल और पैकेजिंग को साक्ष्य के रूप में संभाल कर रखना इस कानूनी लड़ाई में आपका सबसे बड़ा आधार है।
- आवश्यकता ई-फार्मेसी को प्रतिबंधित करने की नहीं, बल्कि 'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की है।

● 28 अप्रैल पुण्यतिथि पर विशेष
● नर्मदा टाइगर राजा हिरदेशाह लोधी

अंग्रेजों के खिलाफ पहली सशस्त्र क्रांति के नायक

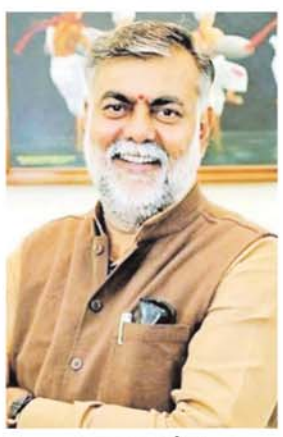

प्रहलाद पटेल

नर्मदा टाइगर के नाम से विख्यात, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (बुंदेलखंड विद्रोह - 1842) के महानायक हीरापुर के यशस्वी राजा हिरदे शाह जूदेव लोधी जी के बलिदान दिवस पर हम उन्हें कृतज्ञतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

राजा हिरदेशाह लोधी ने नरसिंहपुर जिले की हीरागढ़ रियासत से सम्पूर्ण सागर व नर्मदा टेरिटरीज के तहत सागर, दमोह, जबलपुर व नरसिंहपुर जिले के सभी बुंदेला, गौंड़, राजगौंड़ व लोधी राजाओं को संगठित कर अंग्रेजों के विरूद्ध 1842 में बुंदेला विद्रोह का सफल नेतृत्व किया। इस दौरान हीरागढ़- हीरापुर रियासत के परिवारजन गजराज सिंह, सावंत सिंह, लटकन जू, मेहरबान सिंह व ईसरी सिंह ने अंग्रेजों से सभी मोर्चों पर 18 माह तक जमकर संघर्ष किया। उस समय हीरागढ़ रियासत के राजा के पास 1843 हल्का, 24 हजार 500 सैनिक, 80 बड़ी व 100 छोटी तोपें, 200 गुराब, 7 हाथी, 1600 घोड़े, 500 सांड़ियां (ऊंट) और 200 खच्चर थे। लम्बे संघर्ष को देखकर अंग्रेजों ने राजा हिरदेशाह पर 10 हजार रूपये का इनाम रखा। सागर जिले के शाहगढ़ के राजा बखतबली ने धोखे से राजा हिरदेशाह को उनके परिवार सहित 22 दिसम्बर 1842 को गिरफ्तार करवा दिया। भीषण संघर्ष के बाद ब्रिटिश सरकार को समझौता करना पड़ा और नरसिंहपुर जिले के लगान में 10 प्रतिशत की छूट देनी पड़ी। साथ ही सभी भ्रष्ट अधिकारियों का तबादला करना पड़ा। इसके बाद 1843 में नरसिंहपुर को फिर से जिला बनाने के लिए अंग्रेजी हुकूमत को मजबूर होना पड़ा।

हीरापुर के राजघराने ने अपनी मातृ भूमि की रक्षा के लिए 1857 की क्रांति में भी जिले का नेतृत्व किया। राजा हिरदेशाह के भाई गजराज सिंह भी लगातार संघर्ष करते रहे। अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर के चांडाल भाटा में 29 नवम्बर 1857 को फांसी दे दी। उनका 50 किलो का बख्तर, 25 किलो का तोप, 25 किलो का गुटन्ना अभी भी नागपुर के म्यूजियम में सुरक्षित रखा गया है। 1857 की क्रांति में नरसिंहपुर जिले का नेतृत्व फिर से हीरापुर के राजा हिरदेशाह के पुत्र मेहरबान सिंह ने किया, जो जंगीराजा उप नाम से जाने जाते थे। पूरी ताकत झौंकने के बावजूद अंग्रेज क्रांतिकारी मेहरबान सिंह को अंत तक गिरफ्तार नहीं कर पाये। वृद्ध राजा हिरदेशाह ने अंग्रेजों की शर्तें मानने से इंकार कर दिया। इस कारण से 3 अप्रैल 1857 को अंग्रेजों ने हीरागढ़ रियासत की पूरी सम्पत्ति राजसात कर ली।

नरसिंहपुर के कैप्टन टर्नन व कैप्टन वूली ने मिलकर देवी सिंह गोठिया को उनके बेटे जगत सिंह व मुदरी पटैल को साथियों के साथ मार्शल लॉ के तहत 15 दिसम्बर को फांसी दे दी। कैप्टन टर्नन ने 23 नवम्बर 1857 को कैप्टन राबर्टस के साथ दीवान गंजन सिंह के प्रमुख गढ़ सिंगपुर पर हमला किया। यहां गन्ने के खेत में करीब 150 से 200 मशालचियों के साथ गंजन सिंह एवं दलगंजन सिंह ने भयंकर युद्ध किया। इसमें केवल 43

योद्धा जीवित बचे, इनमें से एक गंजन सिंह भी थे। बाकी सभी शहीद हो गये। गंजन सिंह को 23 नवम्बर 1857 की शाम को भीड़ भरे क्षेत्र देवरी में फांसी दे दी गई। काफी संघर्ष के बाद अंग्रेजों ने दलगंजन सिंह को पकड़ कर 23 नवम्बर को ही फांसी दे दी। इसके बाद 24 नवम्बर 1857 को 22 अन्य लोगों को भी मार्शल लॉ के तहत फांसी दे दी गई। इन दो दिनों में भीषण संघर्ष हुआ और करीब 200 वीर योद्धा अपने जन्म भूमि के लिए शहीद हो गये। वर्ष 1857 में ही नरसिंहपुर के परेड मैदान में अंग्रेजों ने क्रांतिकारी सिपाही गजाधर तिवारी को तोप से उड़ा दिया।

मदनपुर के राजा डेलनशाह के पुत्र रघुराज सिंह और 15 अन्य क्रांतिकारियों को ढिलवार में 17 जनवरी 1858 को फांसी दे दी गई। मदनपुर के राजा डेलनशाह को भी 23 मई 1858 को ढिलवार के किले के पास बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई। हीरापुर की महारानी रमावति का 25 अप्रैल 1858 को स्वर्गवास हो गया। इसके ठीक 3 दिन बाद महान क्रांतिकारी राजा हिरदेशाह लोधी भीषण मारकाट से दुखी होकर 28 अप्रैल 1858 को इस दुनिया से चल बसे।

1842 और 1857 के दोनों आंदोलनों में राजा हिरदेशाह को उनकी बिरादरी के लोधी राजाओं, तालुकेदारों, जागीरदारों, प्रजाजनों तथा गोंड़ राजाओं और उनकी प्रजा का सक्रिय सहयोग प्राप्त रहा। ब्रिटिश अभिलेखों में उन्हें विद्रोह का प्रमुख नायक माना गया है, किंतु अनेक भारतीय इतिहासकारों द्वारा उनके अद्वितीय त्याग और बलिदान को अपेक्षित सम्मान नहीं दिया गया। राजा हिरदेशाह जूदेव के अधीनस्थ हीरागढ़ राज्य में 1883 गाँव सम्मिलित थे। दुर्भाग्यवश, उनके वंशज राजा कोशलेन्द्र सिंह जूदेव को स्वतंत्र भारत में उनके पूर्वजों की विशाल संपत्ति में से मात्र 101 एकड़ भूमि प्रदान की गई, जिसे भी कालांतर में वन विभाग द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया। आज वे एक साधारण किसान के रूप में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नरवर शाह, डेलन शाह के साथ अन्य क्रांतिवीरों के वंशज भी आर्थिक अभाव के साथ जीवन यापन कर रहे हैं। अपने परिवार की स्वाभिमानी परंपरा निभाते हुए वंशजों ने कभी किसी सरकार के आगे हाथ नहीं फैलाया लेकिन यह दर्द तो है कि देश की आज़ादी के लिए सर्वस्व लुटा देने के बावजूद किसी को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा नहीं दिया गया। आजादी के अमृत महोत्सव में इन क्रांतिवीरों के बलिदान को देश के सामने लाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है, इसके लिए इतिहास के प्रमाणिकता के साथ पुनः लेखन की जरूरत है।

हम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इस अमर बलिदानी वीर नर्मदा टाइगर राजा हिरदेशाह लोधी को उनके बलिदान दिवस पर सादर नमन एवं श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

(लेखक मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम विभाग के मंत्री हैं)

घर में मोर पंख रखने के नियम

मोर पंख श्रीकृष्ण को अति प्रिय है। यही मोर पंख वास्तु शास्त्र में एक बहुत शुभ वस्तु माना गया है जिसके सही उपयोग से घर से वास्तु दोष को दूर किया जा सकता है साथ ही घर से सभी नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। मोर पंख को घर में रखने की इच्छा आपकी भी है ताकि घर की सुख-समृद्धि बनी रहे तो आप यह जरूर जान लेना चाहिए कि मोर पंख से जुड़े नियम क्या हैं। बिना नियम के अगर मोर पंख को गर में रखेंगे तो इसके शुभ प्रभावों की प्राप्ति नहीं होगी।

घर में मोर पंख रखने की दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार मोर पंख को घर में हमेशा दक्षिण-पश्चिम या पूर्व दिशा में रखें। ध्यान रहे कि जिस भी दिशा में पैर करके सोएं उस दिशा में मोर पंख न रखें। नहीं तो पति-पत्नी के बीच कड़वाहट आ सकती है। अगर बेडरूम में इनडोर प्लांट है तो गमले में भी मोर का पंख सजा सकते हैं। गमले को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना वास्तु दोष दूर करेगा।

कहां न रखें मोर पंख

मोर पंख को पैरों के पास न रखें, ऐसा करने से घर के लोगों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। गृह क्लेश बढ़ सकता है। मोर पंख को कभी भी बिस्तर के नीचे न रखें, इससे धन हानि हो सकता है। तकिए के नीचे मोर पंख रखकर सोना घर की सकारात्मक ऊर्जा का नाश कर सकता है। मोर पंख को पवित्र जगह पर सम्मान से रखें और उस जगह को हमेशा साफ करते रहें। घर में खुशहाली आएगी।

मोर पंख सजावटी समान के साथ न रखें

मोर पंख को सजावट के लिए उपयोग न लाएं बल्कि इसे हमेशा पूजा घर में या पूरी पवित्रता के साथ ही रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब मोर पंख को साधारण सजावट का सामान बनाकर रखा जाता है तो इसकी सकारात्मक ऊर्जा ना नाश हो जाता है। ध्यान रहे कि मोर पंख के साथ कोई और टूटा सामान या कोई और सजावटी सामान न रखें। ऐसा करने से मोर पंख की नकारात्मक ऊर्जा का सामना करना पड़ सकता है।

मोर पंख पर दूसरे रंग न चढ़ाएं

मोर पंख को कभी भी आर्ट एंड क्रिएटिविटी के लिए इस्तेमाल न करें, न तो इसे किसी और से रंगे। ऐसा करने से मोर पंख की सकारात्मक ऊर्जा का नाश हो जाता है। ऐसे मोर पंख को घर में रखने से इसका कोई भी शुभ परिणाम प्राप्त नहीं हो पाता है।

हिंदू धर्म में धूप जलाने का महत्व

सनातन धर्म में अधिकतर चीजों का जुड़ाव विज्ञान से भी माना गया है। हिंदू धर्म में कई ऐसे पारम्परिक अनुष्ठान हैं, जो विज्ञान की दृष्टि से भी लाभदायक हैं। इसी प्रकार घर में गुग्गल धूप को जलाना जहां नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है, वहीं इसका सेहत पर भी लाभ देखने को मिलता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि घर में किस प्रकार गुग्गल धूप जलाना चाहिए।

➲ वास्तु दोष दूर करने का उपाय

यदि घर में वास्तु दोष व्यापत हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति को कई प्रयासों के बाद भी सफलता हासिल नहीं हो होती। इस स्थिति से छुटकारा पाने के लिए शाम के समय गुग्गल, पीली सरसों, गाय का घी और लोबान को मिलाकर एक गाय के कंडे पर रखकर जलाएं। इसके बाद पूरे घर में धूनी दें। ये काम आपको लगातार 21 दिनों तक करना है। ऐसा करने से आपको वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है।

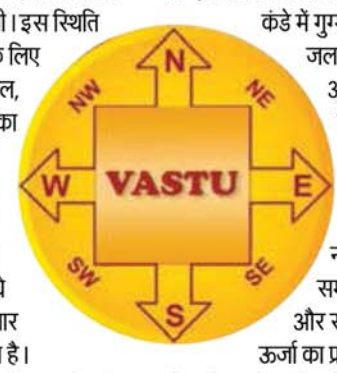

➲ गृह क्लेश से मिलेगा छुटकारा

यदि पति-पत्नी के बीच बिना बाद के विवाद की स्थिति बनी रहती है, तो ऐसे में आपको रोजाना गोबर के कंडे में गुग्गल डालकर जलाना चाहिए और पूरे घर में धूनी देना चाहिए। इससे घर की नकारात्मकता समाप्त होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। जिससे घर के माहौल में शांति बनी रहती है।

➲ सेहत में भी होगा फायदा :- यदि घर में हमेशा किसी-न-किसी सदस्य की सेहत खराब बनी रहती है, तो ऐसे में गुग्गल धूप की धूनी पूरे घर में करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इससे घर का माहौल शुद्ध और सुगंधित बना रहता है। साथ ही इससे मानसिक थकावट भी दूर होती है और मन को शांति का अनुभव होता है।

चेहरे के लाल पन को कम करने के टिप्स

गर्मी का मौसम शुरू होते ही स्किन संबंधित समस्याएं होने लगती है, ऐसे में कुछ लोगों का चेहरा धूप की वजह से लाल पड़ने लगता है, इससे छुटकारा पाने के लिए लोग कई प्रयास करते हैं लेकिन फिर भी उन्हें आराम नहीं मिलता अगर आप भी लाल त्वचा से परेशान हो चुके हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको ऐसे पांच घरेलू उपाय बताएंगे जीने कर आप आसानी से अपने चेहरे के लाल पन को कम कर सकते हैं...

गुलाब जल का इस्तेमाल

गर्मी में तेज धूप के कारण चेहरे पर रेडनेस आ जाती है, इससे बचने के लिए आप सबसे पहले चेहरे पर गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा के लाल पन को काम करता है और ठंडक पहुंचता है। आप गुलाब जल को 15 मिनट के लिए अपने चेहरे पर लगा सकते हैं, इससे सनबर्न के कारण हुई डैमेज स्किन से छुटकारा मिलेगा।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

इसके अलावा आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, एलोवेरा को लोग सदियों से त्वचा के लिए इस्तेमाल करते आ रहे हैं। इसमें मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण चेहरे की रेडनेस को कम करते हैं और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आप 15 से 20 मिनट के लिए एलोवेरा जेल को अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

गर्मी के मौसम में स्टाइलिश और कम्फर्टेबल दिखने के लिए हम काफी स्ट्रगल करते हैं, जबकि समर फैशन में जितनी कम चीजें कैरी करें उतना अच्छा होता है। गर्मी में समर ड्रेस के साथ बनाएं इस तरह के हेयरस्टाइल..

समर ड्रेस के साथ हेयर स्टाइलिंग

गर्मी ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। इस मौसम में आरामदायक रहते हुए स्टाइलिश दिखना एक मुश्किल काम हो सकता है, लेकिन आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आमना शरीफ एक बार फिर अपने स्टाइलिश लुक्स के साथ फैंस को फैशन गोल दे रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टा हैंडल से कुछ लेटेस्ट पिक्स की सीरीज शेयर की है। इस दौरान वे सफेद रंग की खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस में देखी जा सकती हैं, जिसमें स्ट्रैपी हॉल्टर नेक दिया गया है। वहीं, आउटफिट को कॉम्पलिमेंट करने के लिए आमना ने एक चिक हेयरस्टाइल को कैरी किया। उन्होंने हाफ बाल को बन बनाकर ऊपर टाई किया है, जबकि मिडिल पार्टिंग से आगे की ओर कुछ लटें निकाली हैं। उनका ये हेयरस्टाइल गर्मियों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह बनाने में भी आसान है और गर्मियों से राहत दिलाएगा। मेकअप को मिनिमल रखते हुए उन्होंने लिप एंड चीक टिंट को अप्लाई किया है और साथ थिक आईब्रो के साथ कानों में स्टड्स पहनकर अपना सिंपल समर लुक पूरा किया।

रिश्ते को मजबूत बनाने के आसान तरीके

एक कम्पलीट और हेल्दी रिलेशन के लिए अपने साथी के साथ मजबूत बंधन होना बेहद जरूरी होता है, चाहे आप अपने रिश्ते के शुरुआती फेज में हों या फिर इसे कई साल हो चुके हों. अगर आप एक साथ मिलकर चुनौतियों और संघर्षों का सामना कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से आपकी आधी परेशानियां समाप्त हो जाती हैं, लेकिन अगर आप अपने कनेक्शन और समझ को गहरा करने की आवश्यकता महसूस करते हैं, तो हमने आपके रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए कुछ आसान तरीकें लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप रिलेशनशिप को और मजबूत और गहरा बना सकते हैं. रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए क्या करें?

रिलेशनशिप बकेट लिस्ट बनाएं

बस एक साथ बैठें और उन सभी अनुभवों को लिखें, जिन्हें आप एक कपल के रूप में साथ में एक्सपीरियंस करना चाहते हैं। छोटी-छोटी एक्टिविटीज से लेकर मज़ेदार एडवेंचर्स तक सब कुछ शामिल करें। फिर तैयार की गई इस लिस्ट को पूरा करने की ओर धीरे-धीरे कदम बढ़ाएं। इस आसान सी एक्टिवीटी के माध्यम से, आप तुरंत एकजुटता की भावना महसूस करेंगे और इन्हें एक साथ पूरा करने के लिए कोशिश करने की इच्छा आपको और पास लेकर आएगी, जिससे आपका रिश्ता मजबूत होगा।

लव लेटर या लव नोट्स लिखें

हर महीने या दो महीने में अपने पार्टनर के लिए अपने हाथ से एक लेटर लिखें, जिसमें आप अपना दिल खोलकर रख सकते हैं। उस महीने के दौरान साझा की गई सभी यादों और ख़ुशी के पलों को अपने लेटर में शामिल करें। इसके अलावा, आप जब भी उनसे मिलें, तो उनके बैग या दोपहर के खाने की टिफिन में प्यारा सा नोट रखें। ये छोटे और आसान इशारे आपके रिश्ते में स्नेह और समर्पण को दिखाने में बहुत महत्व रखते हैं।

अपने रिश्ते के लिए कोई खास रिवाज बनाएं

अपने रिश्ते को सबसे खास और अलग बनाने के लिए खुद के रीति-रिवाजों और परंपराओं का निर्माण करें, जो आप दोनों से जुड़े हों या जिसमें आप दोनों एक साथ होने का अनुभव करें। यह आपके रिश्ते को मजबूत करने का एक अद्भुत तरीका है। जैसे कि वीकेंड नाइट के लिए कोई खास खेल तैयार करें, हफ्ते में किसी एक निश्चित एक साथ खाना बनाएं, या फिर महीने में एक बार एक-दूसरे को अपने हाथ से बनी कोई चीज गिफ्ट करें। ये तरीके न केवल आपके रिश्ते को मजबूत करते हैं बल्कि खुशी और स्थिरता भी लाते हैं।

रिश्ते में हासिल की गई माइलस्टोन्स को सेलीब्रेट करें

अपने रिश्ते की उपलब्धियों का जश्न मनाएं, जैसे कि मनथली एनिवर्सरी या फिर वह दिन जब आप पहली बार मिले थे। इसके अलावा आपके सभी फर्स्ट्स, जैसे फर्स्ट किस, फर्स्ट हग या कोई अन्य पल जो आपको लगता है कि आपके जीवन मे महत्व रखता है। इन छोटे और खूबसूरत उपलब्धियों का जश्न मनाने से आपका रिश्ता और मजबूत हो सकता है ।

बच्चे को जल्दी बोलने में मददगार होते हैं पैरेंट्स

बच्चे का पहला शब्द बोलना हर माता-पिता के लिए एक खुशी का पल होता है, लेकिन कभी-कभी, बच्चे बोलना देर से शुरू करते हैं, जिसके पीछे अक्सर माता-पिता की कुछ गलतियां हो सकती हैं। यहां हम ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बात करेंगे जिन्हें सुधार कर आप अपने बच्चे को जल्दी बोलने में मदद करेंगे और उनकी भाषा की क्षमता भी मजबूत होगा।

अधिक स्क्रीन टाइम :- आज के दौर में, बच्चे अक्सर टीवी, टैबलेट, और स्मार्टफोन की स्क्रीन्स पर खूब समय बिताते हैं। यह आदत उनके सामाजिक संपर्क को सीमित कर देती है, जो कि उनकी भाषा सीखने की क्षमता के विकास के लिए बेहद जरूरी है। बच्चों के साथ ज्यादा समय तक संवाद करना और उन्हें भाषा के प्रति उत्साहित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित करें और उनके साथ अधिक बातचीत करें, ताकि उनकी भाषाई क्षमताएं बेहतर हो सकें।

कम बातचीत :- जब माता-पिता अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत नहीं करते, तो बच्चे नए शब्द कम सीख पाते हैं। इसलिए बच्चों के साथ रोज बात करना और नई चीजें सिखाना जरूरी है।

प्रतिक्रिया न देना :- जब बच्चे बोलने की कोशिश करते हैं और अगर माता-पिता उनकी तारीफ नहीं करते, तो बच्चे बोलने में हिचकिचाते हैं और कम बोलते हैं। इसलिए, उनके हर प्रयास की सराहना करना जरूरी है ताकि वे बेझिझक बोल सकें।

बच्चे के साथ टाइम बिताएं :- अगर घर में एक ही भाषा बोली जाती है, तो बच्चों को नई भाषा सीखने की जिज्ञासा कम होती है। किताबें पढ़ने, कहानियां सुनने और गाने गाने से बच्चों का भाषा विकास तेजी से होता है। इसलिए, बच्चों को विविध भाषाएं सुनने और अभ्यास करने का मौका देना चाहिए।

कटहल की सब्जी काटने के तरीके

सब्जी बनानी हो या अचार या फिर बिरयानी, कटहल हर मामले में सभी सब्जियों पर भारी पड़ता है। हालांकि, इसे काटने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी है। दरअसल, जब इसे काटते हैं तो चिपचिपा रेशा निकलता है, जो न सिर्फ चाकू पर चिपक जाता है, बल्कि हाथ कटने का डर भी बढ़ जाता है। आइए आपको ऐसी तकनीक बताते हैं, जिससे आप घर में ही बेहद आसानी से कटहल को काट सकते हैं। खास बात यह है कि यह तरीका एकदम देसी है, जिसे सीखना भी बेहद आसान है।जब आप कटहल को काटने की तैयारी कर रही हैं तो सबसे पहले उसे अच्छी तरह धो लीजिए। इसके बाद कटहल काटने से पहले उसके आसपास 2-3 न्यूज पेपर बिछा लीजिए, जिससे कटहल का कूड़ा जमीन पर नहीं फैलेगा।

ऐसे आराम से कटेगा कटहल

कटहल काटने से पहले एक कटोरी में सरसों का तेल रख लें। कटहल काटने के लिए अगर बड़ा चाकू हो तो बेहतर रहेगा, नहीं तो आप दो छोटे चाकू रख लीजिए। इसके अलावा एक बर्तन में पानी भर लीजिए और उसमें नमक-हल्दी मिला लीजिए। इससे कटहल काटने में मदद मिलेगी।

सबसे पहले करें कटहल के दो टुकड़े

कटहल काटते वक्त सबसे पहले चाकू पर तेल लगा लें। इसके बाद कटहल को दो हिस्सों में बांट लीजिए। इससे सफेद चिपचिपा पदार्थ ज्यादा नहीं फैलेगा। अब दोनों हिस्सों के कई टुकड़े कर लीजिए, जिससे कटहल करीब 8-10 हिस्सों में बंट जाएगा।

तेल लगाने से आराम से कटेगा कटहल

यह ध्यान रखने वाली बात है कि जब भी आप कटहल के टुकड़े करें तो चाकू और हाथ पर हल्का सा तेल जरूर लगा लें। इससे कटहल काटने में आसानी होगी। छिले हुए टुकड़ों को नमक-हल्दी वाले पानी में डाल लीजिए।

बारीक कटहल कैसे काटें?

अगर आप कटहल की सूखी सब्जी बनाना चाहते हैं तो हाथ में तेल लगाकर कटे हुए सफेद टुकड़ों के रेशों को चाकू की मदद से धीरे-धीरे अलग कर लें। इससे कटहल एकदम बारीक कट जाएगा और इसकी सूखी सब्जी बनाने में आसानी होगी।

ऐसे साफ करें हाथ

कटहल काटते वक्त अगर हाथ में चिपचिपा सफेद पदार्थ लग जाता है तो परेशान न हों। हाथ में तेल लगाने से यह जल्दी साफ हो जाता है। अब कटहल के कचरे को अखबार में लपेटकर फेंक दें।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च की रोर ईवीओ (Rorr EVO) मात्र 99,999 रुपये में

नई दिल्ली: भारत की घरेलू अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) आधारित इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल निर्माता, ओबेन इलेक्ट्रिक, ने आज बिल्कुल नई रोर ईवीओ को पहले 10,000 ग्राहकों के लिए 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) की विशेष शुरुआती कीमत पर लॉन्च करने की घोषणा की। इस श्रेणी में एक स्पष्ट बदलाव लाने वाली, रोर ईवीओ में डिज़ाइन, प्रदर्शन और कार्यक्षमता को एक सुगठित पैकेज में रखा गया है, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल से सवारों की अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित करती है। रोर ईवीओ इस सोच के साथ बनाई गई है कि राइडर्स को रोमांच और ज़रूरत के बीच समझौता न करना पड़े। इसे असली सड़कों की हर ज़रूरत को ध्यान में रखकर एक पूर्ण, बिना समझौते वाली मोटरसाइकिल के रूप में तैयार किया गया है। इसका आक्रामक स्ट्रीटफाइटर डिज़ाइन, दमदार परफॉर्मेंस और सोच-समझकर जोड़े गए फीचर्स इसे चलाने में मज़ेदार और रोज़ाना इस्तेमाल के लिए बेहद आसान बनाते हैं। पहली नज़र में, रोर ईवीओ अपनी बोल्ड, मस्कुलर बनावट और प्रभावशाली स्टांस के साथ अलग दिखती है। इसके सामने के हिस्से को सिग्नेचर फ्रंट पोजीशन लैंप के साथ प्रोजेक्टर हेडलैंप द्वारा परिभाषित किया गया है, जो रोज़मर्रा की सवारी की स्थितियों के लिए एक मजबूत दृश्य पहचान और बेहतर दृश्यता दोनों प्रदान करता है। तराशे हुए बॉडी पैनल, प्रीमियम विवरण और एक संतुलित सिल्हूट इसकी सड़क पर उपस्थिति को और अधिक मजबूत करते हैं। रोर ईवीओ 110 किमी/घंटा की टॉप स्पीड तक पहुंचती है और 180 किमी आईडीसी की प्रमाणित रेंज प्रदान करती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि यह कठिन दैनिक सवारी के लिए भी समान रूप से सक्षम है। यह ओबेन प्लग (फास्ट चार्जर) से मात्र 90 मिनट में 0–80% फास्ट चार्ज हो जाती है, और सुविधाजनक रोज़मर्रा की चार्जिंग के लिए ओबेन पोर्ट (इसके ऑनबोर्ड चार्जर) से लैस है। इस अनुभव के मूल में स्मार्ट आईक्यू की शुरुआत है, जो ओबेन का नया एआई राइड मोड है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड – वित्त वर्ष 2025–26 के वित्तीय परिणाम

आज आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा कर दी । वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में बैंक ने 1,935 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही 1,943 करोड़ का ऑपरेटिंग प्रॉफिट दर्ज किया। एनआईएम 15 बीपीएस की सालाना वृद्धि के साथ 4.15% रहा। सी.आर.ए.आर में साल-दर-साल 160 बीपीएस की वृद्धि के साथ 26.65% दर्ज हुआ। रिटर्न ऑन एसेट्स (आर.ओ.ए) में साल-दर-साल 29 बीपीएस की वृद्धि दर्ज हुई और यह 2.27% रहा। 31 मार्च, 2026 को शुद्ध एनपीए अनुपात 0.15% पर स्थिर रहा। सकल एनपीए अनुपात में 31 मार्च, 2025 को 2.98त्न की तुलना में सुधार हुआ और 31 मार्च, 2026 को यह 2.32% दर्ज हुआ । 31 मार्च, 2026 को पीसीआर 99.39% रहा, जो सितंबर 2023 से लगातार 99% से ऊपर बना हुआ है।

भारती सिंह और कृष्णा अभिषेक ने वर्ल्ड लाफ्टर डे पर खोले दिल के राज़, बताया कैसे ज़िंदा रहती है हंसी की

जब दुनिया साल में एक बार हँसी का जश्न मनाने के लिए रुकती है, तब इंडियन टेलीविज़न का यह किचन किसी याद दिलाने की ज़रूरत नहीं समझता, क्योंकि कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' हर वीकेंड को ही लाफ्टर डे बना देता है। लेकिन इस बार शो ने वर्ल्ड लाफ्टर डे को मनाने के लिए सारे पत्ते खोल दिए और जश्न को उतना ही वाइल्ड और मज़ेदार बना दिया जितना खुद शो है।

एपिसोड की शुरुआत एक भावुक पल से होती है, जब शेफ हरपाल सिंह सोखी सभी सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स और स्क्रीन के ज़रिए घर बैठे लाखों दर्शकों को संबोधित करते हैं। इस खास मौके पर उन्होंने सभी को वर्ल्ड लाफ्टर डे की शुभकामनाएँ दीं और पूरे कास्ट को लाफ्टर थेरेपिस्ट्स ऑफद वर्ल्ड का खिताब दिया एक ऐसा टाइटल जिस पर किसी को आपत्ति नहीं हो सकती।

जश्न ने एक शानदार और बेहद स्पॉन्टेनियस मोड़ लिया, जब किचन के बीचोंबीच एक लाइव माइक रख दिया गया। नियम था सीधा और नतीजा था पूरी तरह से हंगामा स्क्रीन पर जिसका नाम फ्लैश होता, उसे माइक पर आकर परफॉर्म करना होता।

क्या हिंदू होने की वजह से बचे काश पटेल?: हमलावर की हिटलिस्ट में ट्रंप की पूरी टीम

एफबीआई चीफ का नहीं था नाम!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम पर हमले की साजिश रचने वाले हमलावर ने केवल काश पटेल को बख्शा। अब जांचकर्ताओं का मानना है कि उनकी हिंदू पहचान या कानून प्रवर्तन अधिकारी होना उनकी सुरक्षा की बड़ी वजह हो सकती है। इस मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम पर पिछले दिनों हुई गोलीबारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अब इस मामले में एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने सुरक्षा एजेंसियों को चकित कर दिया है। हमलावर कोल एलन के पास से बरामद घोषणापत्र की जांच में सामने आया है कि डोनाल्ड ट्रंप की पूरी टीम उसके निशाने पर थी। लेकिन उसने केवल एक नाम को जानबूझकर छोड़ दिया था। वो हैं एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल। अमेरिकी जांच एजेंसियां अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी हैं।

वे जानना चाहते हैं कि आखिर काश पटेल को सूची से बाहर क्यों रखा गया। जांचकर्ता दो प्रमुख सिद्धांतों पर काम कर रहे हैं। पहला और सबसे चर्चित कारण उनकी धार्मिक पहचान मानी जा रही है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर कोल एलन के विचारों में स्पष्ट रूप से ईसाई-विरोधी नफरत भरी थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि हिंदू होने की वजह से काश पटेल हमलावर के निशाने पर फिट नहीं बैठे। हमलावर ने अपनी हिंसा को सही ठहराने के लिए जिन नैतिक और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया, उसमें हिंदू धर्म के प्रति उसका कोई विरोध नहीं दिखा।

बताया जा रहा है कि शूटर ने हमले के लिए कुछ कड़े नियम बनाए थे। इनमें से एक नियम था 'लॉ एन्फोर्समेंट' यानी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सीधा नुकसान न पहुंचाना। काश पटेल एफबीआई के शीर्ष पद पर हैं। इसलिए उन्हें इस श्रेणी में रखा गया होगा। हालांकि, यह थ्योरी पूरी तरह सटीक नहीं बैठती। हमले के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी को गोली लगी थी। उसकी जान केवल बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से बची। कोल एलन ने इस हमले के लिए अधिकारियों की एक बाकायदा रैंकिंग वाली लिस्ट तैयार की थी। उसने अपने मैनीफेस्टो में लिखा था, 'प्रशासन के अधिकारी मेरे लक्ष्य हैं।' चौंकाने वाली बात यह है कि हमलावर ने घटना को अंजाम देने से ठीक 10 मिनट पहले यह दस्तावेज अपने परिवार को भेजा था। यह हमला 25 अप्रैल को वाशिंगटन के हिल्टन होटल में हुआ था। कोल एलन कई घातक हथियारों के साथ सुरक्षा घेरा तोड़कर मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने की फिराक में था।

अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे- रुबियो

रुबियो ने कहा- ईरान का नया शांति प्रस्ताव उम्मीद से बेहतर, परमाणु हथियार क्षमता पर क्या बोले?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण कूटनीतिक माहौल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि तेहरान की ओर से हाल में भेजा गया नया प्रस्ताव अमेरिका की उम्मीद से बेहतर है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि किसी भी संभावित समझौते की सबसे बड़ी शर्त यही होगी कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की ओर से जो नया ढांचा पेश किया गया है, उसमें पहले चरण में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सुझाव शामिल है। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर विस्तृत बातचीत को आगे बढ़ाने की बात कही गई है। अमेरिकी अधिकारी फिलहाल इस चरणबद्ध प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं।

अपने एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह प्रस्ताव राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप को स्वीकार होगा या नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समझौता नहीं होता है तो उसके परिणाम क्या होंगे, इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। रुबियो ने कहा कि परमाणु मुद्दा ही वह वजह है जिसके कारण यह पूरा संकट शुरू हुआ। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम आज भी क्षेत्रीय तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तेहरान फिलहाल समय खरीदने की रणनीति पर काम कर रहा है।

इंडोनेशिया में भीषण रेल हादसा, मृतकों का आंकड़ा 14 तक पहुंचा; राहत-बचाव कार्य जारी

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के बाहरी इलाके में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह इसकी पुष्टि की। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है।

सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदिन ने बताया कि अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सभी शवों को पहचान और अन्य औपचारिकताओं के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

कैसे हुआ हादसा? तिमुर स्टेशन पर हुआ, जो जकार्ता के बाहर स्थित एक व्यस्त रेलवे स्टेशन है। यहां एक लंबी दूरी की ट्रेन ने स्टेशन पर खड़ी कम्यूटर ट्रेन के पिछले डिब्बे में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डिब्बों को भारी नुकसान पहुंचा और कई यात्री उसमें फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहतकर्मियों और आपातकालीन

टीमों ने घायलों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। कई यात्रियों के घायल होने की भी खबर है, हालांकि घायलों की सटीक संख्या अभी सामने नहीं आई है। इंडोनेशिया खोज एवं बचाव एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद सयाफी ने कहा कि फंसे हुए लोगों को निकालना बेहद संवेदनशील और कठिन काम है। बचाव दल विशेष उपकरणों और प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से डिब्बों को काटकर यात्रियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

रक्षा मंत्री ने किर्गिस्तान के विजय चौक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, एससीओ बैठक में होंगे शामिल

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को बिश्केक के विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जो नाजी जर्मनी पर विजय को समर्पित एक स्मारक है।

रक्षा मंत्रालय ने एक्स के एक बयान में कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी यात्रा के दौरान किर्गिस्तान के बिश्केक में विजय चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की।' इसके बाद में वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।

रक्षा मंत्री सोमवार को एससीओ बैठक के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक पहुंचे। बिश्केक स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में लिखा,' 27-28 अप्रैल 2026 को एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिश्केक पहुंचने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी। 27 अप्रैल 2026 को मानस हवाई अड्डे

पर राजदूत सिंह द्वारा स्वागत किया गया।' राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा,' किर्गिस्तान के लिए रवाना होने से पहले रक्षा मंत्री ने कहा कि वह विश्व में व्याप्त मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों के बीच वैश्विक शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे और आतंकवाद और चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के निरंतर रुख से भी अवगत कराएंगे। मंगलवार को बिश्केक में होने वालें बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्री क्षेत्र की रक्षा और सुरक्षा से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मंत्री अंतरराष्ट्रीय शांति, आतंकवाद-विरोधी उपायों और एससीओ सदस्य देशों के बीच रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

एससीओ में कितने देश शामिल? : मंत्रालय ने उल्लेख किया 'इस वर्ष की एससीओ बैठक पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण उत्पन्न भू-राजनीतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में हो रही है। क्षेत्र के सबसे बड़े राजनीतिक और आर्थिक संगठनों में से एक, एससीओ मौजूदा संघर्ष के प्रभाव को कम करने के उपायों पर चर्चा कर सकता है। भारत, रूस, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस वर्तमान में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य हैं।

आरोपी एलन ने परिवार से माफी मांग खरीदे हथियार, अमेरिकी सुरक्षा घेरा तोड़ने की थी साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में व्हाइट हाउस संवाददाता रात्रिभोज के दौरान हुई फायरिंग की घटना ने अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपी कोल टॉमस एलन को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ने हमले से कुछ समय पहले अपने परिवार और एक पूर्व नियोक्ता को ईमेल भेजा था। इसमें उसने माफी और स्पष्टीकरण शीर्षक वाला दस्तावेज भी संलग्न किया था। ईईमेल में एलन ने लिखा, 'मैंने जो भी परेशानी पैदा की है, उसके लिए मैं तहे दिल से माफी मांगता हूं और साथ ही यह भी कहा कि वह जो करने वाला है उसके लिए उसे माफी की उम्मीद नहीं है। मेरे प्रतिनिधियों के कार्यों का मुझ पर प्रभाव पड़ता है और मैं अब अपराधों को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हूं।' जांच एजेंसियों का कहना है कि यह संदेश हमले की पूर्व-योजना का स्पष्ट संकेत देता है। 12-गेज शॉटगन और .38 कैलिबर पिस्तौल शामिल हैं। ये हथियार उसने कैलिफोर्निया में खरीदे और बाद में उन्हें वाशिंगटन डीसी तक ले गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने 6 अप्रैल को वाशिंगटन हिल्टन में 24 से 26 अप्रैल तक तीन रातों के लिए बुकिंग कर ली थी और कार्यक्रम स्थल की रेकी भी की थी। वह उसी होटल में ठहरा था जहां हाई-प्रोफाइल डिनर आयोजित होना था, जिसमें राष्ट्रपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। एलन ने 21 अप्रैल को लॉस एंजिल्स के पास स्थित होटल के कॉनकोर्स तल पर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में रात लगभग 8 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम शुरू होने के लगभग 40 मिनट बाद आरोपी सुरक्षा चेकपॉइंट तक पहुंचा। इस दौरान गोली चलने की

अपने घर से ट्रेन से यात्रा शुरू की और 23 अप्रैल को शिकागो पहुंचा। इसके बाद वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए, जहां वे 24 अप्रैल को दोपहर लगभग 1 बजे पहुंचा। दोपहर लगभग 3 बजे वह होटल पहुंचा और रातभर वहीं रुका रहा, उसने खुद को उसी इमारत के अंदर रखा, जहां वह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम आयोजित होने वाला था। अधिकारियों ने बताया कि कोल टॉमस एलन को रात्रिभोज के कार्यक्रम और वरिष्ठ अमेरिकी नेताओं की उपस्थिति की जानकारी थी। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम आवाज सुनाई दी और सीक्रेट सर्विस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे काबू में कर लिया। इस दौरान एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी तरह योजनाबद्ध था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या आरोपी को किसी बाहरी व्यक्ति या संगठन की मदद मिली थी। जांचकर्ताओं ने बताया कि संदिग्ध के होटल के कमरे, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और यात्रा इतिहास से अतिरिक्त सबूतों की समीक्षा की जा रही है।

● अमेरिका ने रखा था बड़ा का इनाम

मैक्सिको में ड्रग कार्टेल को बड़ा झटका: गिरफ्तार हुआ गिरोह का सबसे बड़ा नेता

मैक्सिको, एजेंसी। मैक्सिको में सबसे ताकतवर माने जाने वाले ड्रग कार्टेल जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) को एक और बड़ा झटका लगा है। सोमवार को मैक्सिको की सेना ने इस गिरोह के बड़े नेता ऑडियास फ्लोरेस सिल्वा को गिरफ्तार कर लिया। उसे एल जार्डिनेरो यानी माली के नाम से भी जाना जाता है। मैक्सिको सरकार के मुताबिक, फ्लोरेस सिल्वा को नयारिट राज्य के एल मिराडोर इलाके के पास सड़क किनारे एक गड्ढे में छिपे हुए पकड़ा गया। उसकी गिरफ्तारी के दौरान कोई मुठभेड़ नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। फ्लोरेस सिल्वा को कार्टेल के मारे गए सरगना नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वांतेस उर्फ एल मेंचो का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। एल मेंचो फरवरी में मैक्सिकन सेना के एक बड़े ऑपरेशन में मारा गया था। उसकी मौत के बाद पूरे देश में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें 70 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जिनमें 25 नेशनल गार्ड के जवान भी शामिल थे।

सिल्वा की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने रखा था इनाम: बता दें कि अमेरिका ने फ्लोरेस

सिल्वा की गिरफ्तारी पर 5 मिलियन डॉलर (करीब 40 करोड़ रुपये) का इनाम रखा था। वह कार्टेल में सुरक्षा प्रमुख था और नशे के कारोबार को जलिस्को, मैक्सिको स्टेट, जाकाटेकास और नयारिट जैसे इलाकों में चलाने में अहम भूमिका निभाता था। उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ इलाकों में हिंसा की खबरें भी आईं, जहां कार्टेल के लोगों ने गाड़ियों और दुकानों में आग लगा दी।

इस कार्रवाई की तारीफ रोनाल्ड जॉनसन (अमेरिकी राजदूत) ने भी की। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी फेंटेनाइल जैसे खतरनाक ड्रग्स के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही ष्टछ्वहृत्र समेत कई मैक्सिकन कार्टेल्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित कर चुके हैं।

मैक्सिको के 32 में 21 राज्यों में सक्रिय है कार्टेल: हालांकि सुरक्षा विशेषज्ञ डेविड सॉसेडो का कहना है कि यह गिरफ्तारी बड़ी सफलता जरूर है, लेकिन ऐसे आपराधिक संगठन अपने नेताओं के पकड़े जाने या मारे जाने के बाद भी जल्दी फिर से खड़े हो जाते हैं और अपना नेटवर्क जारी रखते हैं। नशीले पदार्थों के प्रवर्तन का प्रशासन (ष्ठश्व) के मुताबिक, ष्टछ्वहृत्र मैक्सिको के 32 में से 21 राज्यों में सक्रिय है और इसका नेटवर्क 100 से ज्यादा देशों तक फैल चुका है, जिसमें अमेरिका भी शामिल है। कुल मिलाकर, यह गिरफ्तारी मैक्सिको सरकार के लिए बड़ी कामयाबी है, लेकिन ड्रग कार्टेल्स के बढ़ते नेटवर्क को खत्म करना अब भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

पेंटागन का बड़ा कबूलनामा: चीन-रूस की मिसाइलों के सामने अमेरिकी रक्षा सिस्टम बेदम, गोल्डन डोम बनेगा गेम चेंजर?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक अहम खुलासा सामने आया है। शीर्ष पेंटागन अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि मौजूदा अमेरिकी रक्षा प्रणाली केवल छोटे स्तर के हमलों को ही रोक सकती है और हाइपरसोनिक या क्रूज मिसाइल जैसे आधुनिक खतरों के खिलाफ लगभग बेअसर है। अमेरिकी रक्षा और सैन्य अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2027 के बजट पर चर्चा के दौरान सीनेट में यह बात रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देश तेजी से ऐसे हथियार विकसित कर रहे हैं,

जो पारंपरिक रक्षा प्रणाली को आसानी से चकमा दे सकते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मार्क जे बर्कविट्ज ने साफ कहा कि मौजूदा सिस्टम को इस तरह के आधुनिक खतरों के लिए डिजाइन ही नहीं किया गया था।

अमेरिका में हिंदू मंदिरों को खतरों से बचाने की तैयारी

कांग्रेस ने पेश किया बड़ा बिल; कैसे होगी सुरक्षा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों पर हो रहे लगातार हमलों के बीच अमेरिकी कांग्रेस में एक नया प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य हिंदू मंदिरों और अन्य पूजा स्थलों को उत्पीड़न से बचाना है। लॉमेकर्स का कहना है कि अलग-अलग धर्मों के लोगों के लिए खतरे बढ़ रहे हैं। इस प्रस्ताव का नाम 'सेफगार्डिंग एक्सेस टू कांग्रेगेशन्स एंड रिलीजियस एस्टैब्लिशमेंट्स फ्रॉम डिसरप्शन' (सेक्रेड एक्ट) है। इसके तहत किसी भी पूजा स्थल के 100 फीट के दायरे में लोगों को डराना, रास्ता रोकना या परेशान करना संघीय अपराध माना जाएगा।

इस प्रस्ताव को टॉम सुओजी ने पेश किया था और मैक्स मिलर ने इसमें उनका साथ दिया। सुओजी ने कहा कि किसी को भी परेशान होने या डराए-धमकाए जाने का हकदार नहीं होना चाहिए, खासकर तब जब वे अपने पूजा स्थल की ओर जा रहे हों। वहीं, मिलर ने कहा कि हर अमेरिकी को बिना किसी डर, धमकी या उत्पीड़न के अपने धर्म का पालन करने का हक है। बता दें अमेरिकी कांग्रेस का यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब धार्मिक स्थलों के आसपास हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं को लेकर चिंता

बढ़ रही है। समर्थकों का कहना है कि हिंदू मंदिर, यहूदी प्रार्थना स्थल, मस्जिद और चर्च- सभी इस तरह की घटनाओं का सामना कर रहे हैं। 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि पूरे अमेरिका में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने और उन्हें अपवित्र करने की घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं में असुरक्षा की भावना पैदा हुई है।

ऐसे में इस कानून के तहत अगर कोई पहली बार दोषी पाया जाता है, तो उसे जुर्माना या एक साल तक की जेल हो सकती है। अगर वही व्यक्ति दोबारा ऐसा करता है, तो सजा और सख्त हो सकती है, जिसमें तीन साल तक की जेल भी शामिल है। यह बिल पीड़ितों को दीवानी (सिविल) मामले दर्ज करने का अधिकार भी देता है। इसके अलावा अमेरिका के अटॉर्नी जनरल समेत अधिकारी ऐसे मामलों में रोक लगाने और मुआवजा दिलाने के लिए कदम उठा सकते हैं। गौरतलब है कि इस बिल को कई संगठनों का समर्थन मिला है, जिनमें 'एंटी-डेफेमेशन लीग', 'अमेरिकन ज्यूइश कमेटी' और 'इस्लामिक सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका' शामिल हैं। एंटी-डिफेमेशन लीग के अनुसार, यहूदियों के खिलाफ नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं। साल 2024 में ऐसी 9,354 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 1,702 घटनाएं यहूदी संस्थानों में हुईं।

मुंबई आईपीएल सीजन का छठा मैच हारी, हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया

हेड-क्लासन की फिफ्टी, रिकेल्टन का शतक बेकार

मुंबई।

मुंबई इंडियंस को आईपीएल के मौजूदा सीजन में छठी हार का सामना करना पड़ा है। उसे बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया। मुंबई वानखेड़े में लगातार चौथा मैच हारी है। जबकि हैदराबाद ने सीजन में लगातार 5वां मैच जीता है।

अपने होम ग्राउंड में मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 243 रन बनाए थे। हैदराबाद ने 244 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। हैदराबाद की ओर से ट्रैविस हेड ने 76 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ 52 बॉल पर 129 रन की ओपनिंग साझेदारी की। इस साझेदारी ने रन चेज को आसान बनाया। मैच का स्कोरबोर्ड

क्लासन ने नाबाद 65 रन बनाए

आखिरी में हेनरिक क्लासन ने फिफ्टी लगाकर टीम को जीत दिला दी। उन्होंने 30 बॉल पर 7 चौके और 4 छक्के के सहारे नाबाद 65 रन बनाए। मुंबई से अल्लाह गजनफर ने अभिषेक शर्मा (45 रन) और ईशान किशन (जीरो) को लगातार बॉल पर आउट किया। लेकिन, वे हैट्रिक पूरी नहीं कर सके।

रायन रिकेल्टन ने शतक लगाया, पर टीम हारी

मुंबई से ओपनर रायन रिकेल्टन ने 55 गेंद पर नाबाद 123 रन की शतकीय पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। रिकेल्टन के अलावा, विल जैक्स ने 46 और कप्तान हार्दिक पंड्या ने 31 रन बनाए।

सनराइजर्स से प्रफुल्ल हिंगे ने 2 विकेट झटके। ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन और नीतीश कुमार रेड्?डी को एक-एक विकेट मिला। कप्तान पैट कमिंस को कोई विकेट नहीं मिला।

सलिल अरोरा ने सिक्स मारकर जिताया

19वें ओवर में सलिल अरोरा ने हार्दिक पंड्या की चौथी बॉल पर छक्का लगाया। इसी छक्के के सहारे हैदराबाद ने 6 विकेट की जीत हासिल कर ली।

नीतीश कुमार रेड्डी 1 रन बनाकर आउट

17वें ओवर में हैदराबाद ने चौथा विकेट गंवाया। यहां नीतीश कुमार रेड्डी 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच कराया। इसी के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक हुई।

हैदराबाद का स्कोर 200 पार, क्लासन की फिफ्टी

16वें ओवर में हैदराबाद ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। अल्लाह गजनफर की पहली बॉल पर क्लासन ने छक्का लगाकर टीम को 200 पार पहुंचाया। उन्होंने 22 बॉल पर फिफ्टी भी पूरी की।

क्लासन ने अश्विनी की बॉल पर 4 चौके लगाए

12वें ओवर में हेनरिक क्लासन ने अश्विनी कुमार की बॉल पर 4 चौके लगाए। इनमें से 3 चौके लगातार बॉल पर आए। उन्होंने पहली बॉल पर चौके से शुरुआत की। फिर आखिरी 3 बॉल पर बैक-टु-बैक बाउंड्री लगाई। अश्विनी के इस ओवर से 18 रन आए।

हैदराबाद का स्कोर 150 पार

12वें ओवर में हैदराबाद ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। हेनरिक क्लासन ने अश्विनी कुमार की पहली बॉल पर चौका लगाकर टीम को 150 पार पहुंचाया।

पंड्या ने ट्रैविस हेड को पवेलियन भेजा

10वें ओवर की चौथी बॉल पर हैदराबाद ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर ट्रैविस हेड 76 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें हार्दिक पंड्या ने विल जैक्स के हाथों कैच कराया।

गजनफर को लगातार दो बॉल पर विकेट, हैट्रिक चूके

9वें ओवर में अल्लाह गजनफर को लगातार दो बॉल पर विकेट मिले, लेकिन, वे हैट्रिक पूरी नहीं कर सके।

गजनफर ने चौथी बॉल पर अभिषेक शर्मा (45 रन) को ट्रेंट बोल्ट के हाथों कैच कराया। फिर 5वीं बॉल पर ईशान किशन (जीरो) को बोल्ड कर दिया।

हेड की फिफ्टी, नमन ने तीसरा कैच छोड़ा, सनराइजर्स 100 पार

7वें ओवर में हैदराबाद ने 100 रन का आंक?ा पार कर लिया। अश्विनी कुमार की तीसरी बॉल पर ट्रैविस हेड ने छक्का लगाया। इसी छक्के से उन्होंने फिफ्टी पूरी की और टीम स्कोर को 100 पार पहुंचाया। यहां नमन धीर से डीप कवर्स पर कैच ड्रॉप हुआ और बॉल बाउंड्री के बाहर चली गई। नमन ने हेड का तीसरा कैच ड्रॉप किया है।

हैदराबाद से पावरप्ले में 14 बाउंड्री लगी

244 रन का टारगेट चेज कर रही हैदराबाद ने मजबूत शुरुआत की है। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में बगैर विकेट गंवाए 92 रन बना लिए हैं। अभिषेक और हेड की जोड़ी ने पावरप्ले में 14 बाउंड्री लगा चुकी है। इनमें 6 चौके और 8 छक्के शामिल हैं।

नमन धीर से दूसरी बार हेड का कैच छूटा

5वें ओवर की तीसरी बॉल पर नमन धीर ने बैकवर्ड पॉइंट पर ट्रैविस हेड का कैच ड्रॉप हो गया। इससे पहले तीसरे ओवर की पहली बॉल पर नमन से हेड का कैच ड्रॉप हुआ था।

मुंबई 50 पार, ओपनर्स में फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी

चौथे ओवर में मुंबई ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। अभिषेक शर्मा ने विल जैक्स की तीसरी बॉल पर चौका लगाकर टीम का स्कोर 50 पार पहुंचाया।

ट्रेंट बोल्ट के ओवर में 3 छक्के लगे

तीसरे ओवर में ट्रेंट बोल्ट की बॉल पर 3 छक्के लगे। उनकी पहली बॉल पर अभिषेक शर्मा ने छक्का लगाया। उसके बाद ट्रैविस हेड ने चौथी और 5वीं बॉल को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाया। बोल्ट के इस ओवर से 18 रन आए।

बुमराह ने अपने पहले ओवर में 14 रन दिए

जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले और हैदराबाद की पारी के दूसरे ओवर में 14 रन दिए। उनकी चौथी बॉल पर अभिषेक शर्मा ने छक्का लगाया। 243 रन का स्कोर डिफेंड कर रही मुंबई के ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में 11 रन खर्च किए। उनकी दूसरी बॉल पर अभिषेक शर्मा ने छक्का लगाया और टीम का खाता खोला।

दोनों टीमों की प्लेइंग

सनराइजर्स हैदराबाद: अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासन, सलिल अरोरा (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), हर्ष दुबे, शाकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे और ईशान मलिंगा। इम्पैक्ट प्लेयर- अनिकेत वर्मा।

मुंबई इंडियंस: रायन रिकेल्टन, विल जैक्स, नमन धीर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, अल्लाह गजनफर और अश्विनी कुमार।

इम्पैक्ट ऑप्शंस: मयंक रावत, रघु शर्मा, शार्दूल ठाकुर, कृष भगत, राज बावा और दानिश मलेवर।

मुंबई फाल्कन्स के साथ शुरू होगी एफ1 सिम रेसिंग

मुंबई।

भारतीय मोटर स्पोर्ट्स को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से, फॉर्मूला वन ने मुंबई फाल्कन्स के साथ मिलकर देश की पहली एफ1 सिम रेसिंग प्रतियोगिता शुरू की है। 2026 में होने वाली यह पहल ई-स्पोर्ट्स के माध्यम से जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान करेगी और उन्हें नारायण कार्तिकेयन जैसे दिग्गजों के समर्थन से वैश्विक मंच पर आगे बढ़ने का अवसर देगी। भारत में मोटर स्पोर्ट्स के शौकीनों के लिए एक नया और बड़ा मौका सामने आया है। फॉर्मूला वन और मुंबई फाल्कन्स रेसिंग लिमिटेड ने मिलकर देश की पहली आधिकारिक सिम रेसिंग प्रतियोगिता शुरू करने की घोषणा की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, एफ1 सिम रेसिंग इंडिया ओपन 2026 के नाम से होने वाली यह प्रतियोगिता देशभर के उभरते खिलाड़ियों के लिए एक राष्ट्रीय मंच तैयार करेगी, जहां से वे पेशेवर रेसिंग की ओर कदम बढ़ा सकेंगे।

बता दें कि यह पहली बार है जब फॉर्मूला वन ने किसी एक देश के लिए इस तरह का विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य वर्चुअल रेसिंग के जरिए प्रतिभाशाली युवाओं को असली मोटर स्पोर्ट्स की दुनिया तक पहुंचाने का रास्ता तैयार करना है। गौरतलब है कि भारत में फॉर्मूला वन को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है और इसे दोबारा देश में लाने की चर्चाएं भी तेज हो रही हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, यह प्रतियोगिता आधिकारिक एफ1 गेम एफ1 25 पर खेली जाएगी, जिसमें वही ट्रैक, टीम और फॉर्मेट शामिल होंगे जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस्तेमाल होते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण 30 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसे मोबाइल अनुप्रयोग के जरिए किया जा सकेगा। प्रतिभागी कंप्यूटर, प्ले स्टेशन 5 और एक्सबॉक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर हिस्सा ले सकेंगे।

प्रतियोगिता का प्रारूप भी चरणबद्ध तरीके से तय किया गया है। पहले ऑनलाइन क्वालीफाइंग मुकाबले होंगे, इसके बाद शहर स्तर पर सिमुलेटर राउंड आयोजित किए जाएंगे और अंत में नवंबर में मुंबई में राष्ट्रीय फाइनल खेला जाएगा। इससे खिलाड़ियों को धीरे-धीरे बड़े मंच तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

इस पहल को भारत के पहले फॉर्मूला वन चालक नारायण कार्तिकेयन का भी समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि भारत में फॉर्मूला वन के करोड़ों प्रशंसक हैं और एक पूरी पीढ़ी रेसिंग गेम्स के साथ बड़ी हुई है, ऐसे में यह सही समय है कि इस तरह की प्रतियोगिता शुरू की जाए। उनके अनुसार, यह पहल देश में प्रतिभा खोजने और उसे आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगी।

मुंबई फाल्कन्स रेसिंग लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमित गढ़ोके ने भी इस साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हमेशा से भारत को वैश्विक मोटर स्पोर्ट्स के मानचित्र पर मजबूत करना रहा है और यह प्रतियोगिता उसी दिशा में एक बड़ा कदम है।

गौरतलब है कि मुंबई फाल्कन्स पहले भी कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के शुरुआती करियर को समर्थन दे चुका है, जिनमें जेहान दरूवाला, कुश मैनी, आर्थर लेक्लेर्क और किमी एंटोनेली जैसे नाम शामिल हैं। ऐसे में यह माना जा रहा है कि यह पहल भारत में मोटर स्पोर्ट्स के विकास को नई दिशा दे सकती है और आने वाले समय में देश से और भी प्रतिभाशाली चालक सामने आ सकते हैं।

टी 20कप्तान के तौर पर सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस शतक के साथ ही आजम टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक नौ शतक लगाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए है। आजम ने पीएसएल क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ 59 गेंद में 12 चौक और चार छक्के लगार 103 रन बनाये। इस शतक के साथ ही आजम ने डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया। डु प्लेसिस के नाम टी20 कप्तान के तौर पर आठ शतक हैं। डु प्लेसिस ने अपने शतक 216 मैचों में बनाये थे जबकि बाबर ने केवल 154 मैचों में ही इस रिकार्ड को तोड़ दिया। आजम ने इस प्रकार दस मैचों में 84 की औसत और 146.26 के स्ट्राइक रेट से 588 रन बनाकर साबित किया है कि अभी उनकी बल्लेबाजी की चमक गयी नहीं हैं। इससे उनकी पाक टीम में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। पीएसएल में इस सत्र में ही बाबर ने अब तक चार शतक लगाये हैं।

इससे पहले उन्होंने साल 2022 और 2023 में एक-एक शतक लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने लीग इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। उस्मान ने 35 मैचों में ये रन बनाये पर बाबर को इसके लिए 110 मैच खेलने पड़े। बाबर ने अपने प्रदर्शन पर उत्साहित होते हुए कहा, मुझे लगने लगा है कि मैं फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट रहा हूं। मेरा लक्ष्य अपने कौशल पर भरोसा करने के साथ ही हालातों को सामान्य रखना है। अब मेरे लिए पहले की तरह के हालात बन रहे हैं। जिससे में अपनी निरंतरता पा रहा हूं।।

नेशनल एथलीट में हरियाणा का दबदबा, एशियन चेम्पियनशिप का टिकट पक्का

हिसार।

हरियाणा के एथलीटों ने नेशनल जूनियर एथलेटिक्स में 10 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, जिसमें पूजा और सुमित राठी के स्वर्ण पदक भी शामिल हैं; अब 5 क्वालिफाइड खिलाड़ी हांगकांग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बार राष्ट्रीय स्तर की जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हरियाणा के खिलाड़ियों ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने खेल जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित 24वीं नेशनल जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में राज्य के खिलाड़ियों ने कुल 10 पदक जीतकर अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार, हरियाणा के खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए हैं, जो इस प्रतियोगिता में उनके

संतुलित और प्रभावी प्रदर्शन को दर्शाता है। बता दें कि इस शानदार प्रदर्शन के चलते राज्य के पांच खिलाड़ियों ने आगामी एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया है, जो देश के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने बताया कि सोनीपत की मुस्कान ने 5 किलोमीटर दौड़ में जगह बनाई है, जबकि झज्जर के अमन ने हैमर थ्रो में और रोहतक के निश्चय ने डिस्कस थ्रो में क्वालीफाई किया है। इसके अलावा फतेहाबाद की पूजा ने हाई जंप और झज्जर के सुमित राठी ने 3000 मीटर स्टेपल चेज स्पर्धा में अपनी जगह पक्की की है। गौरतलब है कि हिसार की योगिता ने 5 किलोमीटर रेस वाक में नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाकर सबका ध्यान खींचा है। उन्होंने इससे पहले 2025 में भुवनेश्वर में बना रिकॉर्ड तोड़ते हुए नया इतिहास रचा है। यह प्रदर्शन दर्शाता है कि राज्य के खिलाड़ी लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर नए मानक स्थापित कर रहे हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। गौरतलब है कि एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन 28 से 31 मई के बीच हांगकांग, चीन में होना है, जहां ये खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और देश के लिए पदक जीतने की उम्मीदें भी इन्हीं से जुड़ी हुई हैं।

अफगानिस्तान की महिला टीम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अफगान महिला यूनाइटेड नाम से भाग लेगी

वैंकूवर

फीफा ने तालिबान शासन के कारण देश छोड़ने वाली अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी है। अफगान महिला यूनाइटेड नाम से यह टीम अब 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकेगी।

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दे दी है। अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम की महिला खिलाड़ियों ने तालिबान शासन के कारण पांच साल पहले अपना देश छोड़ दिया था और तब से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति मिलने का इंतजार कर रही थी। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर में मंगलवार को हुई फीफा परिषद की बैठक में अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम को मान्यता देने के लिए फीफा के नियमों में संशोधन करने पर सहमति बनी। अफगानिस्तान की महिला टीम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अफगान महिला यूनाइटेड नाम से भाग लेगी। अफगानिस्तान की महिला टीम के लिए हालांकि ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए बहुत देर हो चुकी है लेकिन वह लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के क्वालीफाइंग में भाग ले सकती है।

एमेलिया की कप्तानी में टी 20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पॉली इंग्लिस भी टीम में शामिल की गयी हैं।

न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सॉयर ने कहा, ÷जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है। सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं।

ये विश्वकप इसलिए भी टीम के लिए अहम है क्योंकि ये तीन अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, लिया ताहुहु और सूजी बेट्स का अंतिम टूर्नामेंट है। इसके बाद ये तीनो ही संन्यास ले लेंगी। ऐसे में टीम का लक्ष्य इन तीनों दिग्गजों को जीत के साथ विदा करना रहेगा। वहीं इनके संन्यास को लेकर कोच सॉयर ने कहा कि तीन अनुभवी खिलाड़ियों का एक ही टूर्नामेंट में संन्यास लेना विशेष अवसर की तरह रहेगा। इन तीनों ने अपने-अपने करियर में बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को कई बार जीत दिलायी है। टीम अपना शुरुआत मैच 13 जून को द रोज़ बाउल, साउथैम्पटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू करेगी।

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए सेंट पेरिस जर्मेन और बेयर्न म्यूनिख के खिलाड़ी।

20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

बेनोनी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है। कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा। इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को लगातार कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है ताकि विश्वकप की अच्छे से तैयारी की जा सके। हरमनप्रीत ने कहा कि पॉवरप्ले में भी हमारी टीम पर्याप्त रन नहीं बना पायी और इस कमी को भी हमें दूर करना होगा। इसके अलावा टीम को अपनी गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी सुधार करना होगा।

आईपीएल के 19वें सीजन में भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड योगदान

भारतीय बैटर्स विदेशियों पर भारी, स्ट्राइक रेट में अव्वल

नई दिल्ली।

आईपीएल 2026 में पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा दिख रहा है। सीजन के शुरुआती 38 मैचों में कुल 13 हजार 100 रन बने हैं। इनमें से भारतीय बल्लेबाजों ने 9066 रन ठोके हैं, जो कि कुल रनों का 69.21त्न है। यह किसी एक सीजन के शुरुआती 38 मैचों के बाद भारतीय बल्लेबाजों के योगदान का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल इस स्टेज तक 12,858 रन बने थे, जिसमें भारतीय बैटर्स ने 66.25त्न का योगदान दिया था।

आईपीएल के शुरुआती वर्षों में यह आंकड़ा 50त्न के आसपास रहता था और 2009 में तो यह 47.51प्रतिशत तक गिर गया था। लेकिन इस साल भारतीय बल्लेबाजों ने रनों का जो अंबार लगाया है, उसने विदेशी बल्लेबाजों की चमक फीकी कर दी है। विदेशी बल्लेबाजों ने इस सीजन 30.79प्रतिशत रन (4034) बनाए हैं, जो भारतीय बैटर्स का आधा भी नहीं है। स्ट्राइक रेट में भी भारतीय बैटर्स ने विदेशियों को पीछे छोड़ दिया है। इस सीजन बने कुल रनों में स्ट्राइक रेट 154.17 रहा है। इनमें भारतीय बैटर्स के 9066 रन 158.86 की स्ट्राइक रेट से आए हैं, जबकि विदेशियों ने अपना योगदान 144.59 के स्ट्राइक रेट से दिया है।

रन औसत (29.44) में भी भारतीय बैटर्स विदेशियों (26.54) से बेहतर हैं।

सर्वाधिक सिक्स में टॉप-10 भारतीय हैं। वैभव ने सर्वाधिक 32 छक्के लगाए हैं। किसी विदेशी के 16+ सिक्स नहीं हैं।

विस्फोटक बैटिंग : टॉप-11 स्ट्राइक रेट में सभी भारतीय बल्लेबाज

रनों की संख्या से भी ज्यादा चौंकाने वाला आंकड़ा रन बनाने की गति यानी स्ट्राइक रेट का है। इस साल भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट (158.86) विदेशी बल्लेबाजों की तुलना में 14.27 अधिक है।

आईपीएल के 19 साल में यह बहुत बड़ा बदलाव है। इससे पहले केवल दो बार (2010 और 2011) ऐसा हुआ था, जब भारतीयों ने विदेशियों से तेज रन बनाए थे, लेकिन तब भी यह अंतर बहुत मामूली था। भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सीजन में 200 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 24 खिलाड़ियों में से 19 बल्लेबाज भारतीय हैं। इनमें सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट वाले टॉप-11 बल्लेबाज सिर्फ भारतीय हैं।

विदेशी बल्लेबाजों में सबसे पहला नाम फिल सॉल्ट का है, जो 12वें नंबर पर आते हैं। उनके बाद 13वें नंबर पर कूपर कोनोली हैं। आरसीबी के लिए टिम डेविड ने जरूर 194.68 की स्ट्राइक रेट से शानदार बल्लेबाजी की है, लेकिन कुल 183 रन होने की वजह से वह 200 रनों के कट-ऑफ से बाहर हैं।

पहली बार किसी सीजन में 200+ रन वाले बल्लेबाजों में टॉप-10 स्ट्राइक रेट भारतीय बैटर्स का है। इससे पहले सबसे करीबी आंकड़ा 2011 में था, जहां टॉप-8 बैटर्स भारतीय थे। हालांकि, तब वीरेंद्र सहवाग का 168.42 का स्ट्राइक रेट सर्वश्रेष्ठ था, जबकि इस बार सभी टॉप-11 भारतीयों का स्ट्राइक रेट उनसे ऊपर है।

एक तरफ भारतीय बल्लेबाज और युवा सितारे तूफानी प्रदर्शन कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलने वाले बड़े विदेशी नाम बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए हैं। हेड और एडेन मार्करम जैसे दिग्गजों का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा है, लेकिन वे भी 8 पारियों में 200 रन का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से कम रहा है।

कुल मिलाकर, आईपीएल 2026 भारतीय क्रिकेट के उस स्वर्णिम दौर की गवाही दे रहा है जहां अनकैप्ड और युवा भारतीय खिलाड़ियों ने डर को पीछे छोड़ते हुए टी20 क्रिकेट खेलने की पूरी परिभाषा ही बदल दी है।

जिला अस्पताल की SNCU में 25 दिन चला गहन इलाज, डॉक्टरों की मेहनत लाई रंग

दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे नवजात को मिला नया जीवन

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिला अस्पताल बीजापुर की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयु) में एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी से पीड़ित नवजात को नया जीवन मिला है। डॉक्टरों की सतत निगरानी और 25 दिनों तक चले इलाज के बाद अब शिशु पूरी तरह स्वस्थ है। उसूर ब्लॉक के ग्राम कोरसागुड़ा निवासी शांति मोटू पूनेम के नवजात को 4 अप्रैल को गंभीर हालत में भर्ती किया गया था। जांच में सामने आया कि शिशु स्टैफिलोकोकल स्केल्ड स्किन सिंड्रोम से पीड़ित है। यह बीमारी बेहद कम मामलों में देखने को मिलती है, जिसमें त्वचा जलने जैसी स्थिति में छिलने लगती है और संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ जाता है।शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा चव्हाण के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने एंटीबायोटिक थेरेपी और विशेष नर्सिंग के जरिए इलाज किया। नवजात की नाजुक त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए स्टरलाइज किए गए केले के पत्तों का उपयोग किया गया, ताकि घर्षण कम हो और संक्रमण से बचाव हो सके। सीएमएचओ डॉ. बी.आर. पुजारी और सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के मार्गदर्शन में पूरा उपचार सफल रहा। जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर संबित मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे का भी सहयोग मिला। परिजनों ने बताया कि उन्होंने बच्चे के बचने की उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की मेहनत से उनका बच्चा सुरक्षित है। उन्होंने मेडिकल टीम का आभार जताया। यह मामला दिखाता है कि अब जिला अस्पतालों में भी गंभीर और दुर्लभ बीमारियों का सफल इलाज संभव हो रहा है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है।

चिन्गोर में पुलिस का चलित थाना, ग्रामीणों से सीधा संवाद

मनवा पुलिस मनवा नाटे अभियान के तहत समस्याएं सुनीं, साइबर व यातायात नियमों पर दी जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

थाना कुटरू क्षेत्र के ग्राम चिन्गेर में ÷मनवा पुलिस मनवा नाटे÷ अभियान के तहत जन-संवाद और चलित थाना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पुलिस ने गांव पहुंचकर सीधे लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।कार्यक्रम में ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई और उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही गांव या जंगल में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में फिलहाल कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं है।पुलिस ने बच्चा चोरी से जुड़ी अफवाहों को लेकर भी लोगों को सतर्क किया और बिना पुष्टि किसी भी जानकारी पर विश्वास नहीं करने को कहा। यातायात नियमों को लेकर वाहन चलाते समय हेलमेट, लाइसेंस और बीमा की जरूरत समझाई गई।साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए भी जागरूकता दी गई। ग्रामीणों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने और अनजान कॉल या लिंक से सावधान रहने की सलाह दी गई। अंत में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत ग्रामीणों और बच्चों को साड़ी, टी-शर्ट, चप्पल, बर्तन, क्रिकेट और वॉलीबॉल किट, लूडो, कॉपी-पेन, चॉकलेट और बिस्किट वितरित किए गए। इस पहल से पुलिस और ग्रामीणों के बीच विश्वास बढ़ाने की कोशिश की गई।

होनहार छात्र टकेश्वर वर्मा ने 12वीं बोर्ड में 91% अंक लाकर किया विद्यालय में टॉप

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम बावामोहतरा के प्रतिभाशाली छात्र टकेश्वर वर्मा ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। टकेश्वर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बावामोहतरा के छात्र हैं। उनकी इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। टकेश्वर वर्मा के पिता का नाम भुनेश्वर वर्मा है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, माता-पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों के सहयोग को दिया है। गणित विषय से अध्ययन करने वाले टकेश्वर ने बताया कि उन्होंने परीक्षा के दौरान नियमित रूप से पढ़ाई की और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि मोबाइल का उपयोग केवल पढ़ाई से संबंधित कार्यों के लिए किया और रोजाना लगभग 3 से 4 घंटे तक नियमित अध्ययन किया, जिससे उन्हें यह सफलता मिली।टकेश्वर वर्मा का सपना भविष्य में एक शिक्षक बनने का है। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण आज अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

सिंघरौर कुर्मी क्षत्रिय समाज ने ओमनी वर्मा का किया सम्मान, कहा - समाज की गौरव हैं बेटी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में बेमेतरा जिले की छात्रा ओमनी वर्मा ने शानदार सफलता हासिल कर जिले और समाज का नाम रोशन किया है। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय की छात्रा ओमनी वर्मा ने कॉमर्स संकाय में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान एवं बेमेतरा जिले में पहला स्थान हासिल किया है।ओमनी वर्मा की इस उपलब्धि पर सिंघरौर कुर्मी क्षत्रिय समाज के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया। समाज के पदाधिकारियों एवं लोगों ने इसे पूरे समाज के लिए गर्व का विषय बताया।सिंघरौर कुर्मी क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने कहा कि ओमनी वर्मा हमारे समाज की गौरव हैं। ऐसी प्रतिभाशाली बेटियों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की यह सफलता समाज के लिए प्रेरणादायक है और समाज हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। वहीं सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष दोहई लाल वर्मा ने कहा कि ओमनी वर्मा ने सिर्फ समाज ही नहीं बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। आज पूरे प्रदेश में उनकी चर्चा हो रही है। उन्होंने ओमनी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आगे भी इसी तरह सफलता प्राप्त करें और नई ऊंचाइयों को छुएं।इसके साथ ही दाऊ चंपेश्वर वर्मा ने भी ओमनी वर्मा को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने बेमेतरा जिले में प्रथम एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त कर पूरे जिले का मान बढ़ाया है।

उन्होंने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसी शक्ति है, जो जीवन के अंधेरे में उजाले की रोशनी देती है उन्होंने आश्वासन दिया कि समाज हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले बच्चों के साथ खड़ा रहेगा। बता दें कि ओमनी वर्मा शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उन्होंने 10वीं कक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे, जबकि 11वीं में भी 92.8 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। अब 12वीं बोर्ड परीक्षा में 98.2 प्रतिशत अंक लाकर उन्होंने एक बार फिर अपनी प्रतिभा साबित की है। वही सभी सिंघरौर कुर्मी समाज के लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी लच्छन वर्मा, शेखर वर्मा, झाडू राम वर्मा,विष्णु वर्मा, प्रीतम वर्मा , धीरज वर्मा, और पोषण वर्मा(समाज सेवक) उपस्थित रहे।

यंस स्कूल का परीक्षा परिणाम जारी, विद्यार्थियों ने हासिल की उत्कृष्ट सफलता

लगभग शत् प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

चांपा/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था लायंस इंटरनेशनल की स्थानीय इकाई लायंस क्लब चांपा द्वारा संचालित लायंस इंग्लिश हायर सेकण्ड्री स्कूल का शिक्षा सत्र 2025 26 की स्थानीय कक्षाओं का परीक्षा परिणाम गुरूवार 30 अप्रैल को सुबह 10 बजे लायंस स्कूल के सभागार में लायंस क्लब शिक्षण समिति के चेयरमेन लायन रामप्रपन्न देवांगन (विडियो प्ले), लायंस शिक्षण समिति के वाईस चेयरमेन लायन डॉ. के. पी. राठौर, लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी, सचिव राजेश अग्रवाल, स्कूल सचिव लायन सी.ए. सुरेश अग्रवाल, लायन नंदकुमार देवांगन विशेष रूप से मौजूद थे। परीक्षा परिणाम जारी करते हुए अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी ने कहा कि स्कूल प्रबंधन सभी बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत् है।

उन्होंने सभी सफल बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि उनके लिए अच्छी पढ़ाई के लायंस क्लब शिक्षण समिति ने स्कूल को सी.बी.एस.ई. की मान्यता दिला दी। जिसमें पढ़ाई करके विद्यार्थी अपना उज्जवल भविष्य बना सके। लायन सी. ए. सुरेश अग्रवाल ने कहा कि सभी बच्चे अच्छा परिणाम लाने का प्रयास करते है लेकिन सफलता उन्हीं को हासिल होती है जो इसे उत्तर पुस्तिका में मूर्त रूप देने में कामयाब होते है। लायंस क्लब के सचिव लायन राजेश अग्रवाल ने भी सभी विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी। लायन डॉ. व्ही. के. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य अजिता व्ही. के. ने स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आगामी शिक्षा सत्र में स्कूल का परिणाम और भी बेहतर लाने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

फर्जी हस्ताक्षर कर 13 लाख की एफडी करने का आरोप, खाताधारक ने CICI बैंक चांपा पर लगाए गंभीर आरोप

चांपा से सनसनीखेज बैंकिंग मामला: हस्ताक्षर नहीं मिले, नागपुर से आया कॉल और खुल गया बैंकिंग घोटाले का राज

चांपा/मूक पत्रिका

पीड़ित ने की जांच और कार्रवाई की मांग, बैंक की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

ICICI Bank की चांपा शाखा में एक गंभीर बैंकिंग अनियमितता का मामला सामने आया है। खाताधारक मंजू रामचन्द्र रावत ने आरोप लगाया है कि उनकी जानकारी व लिखित अनुमति के बिना, फर्जी हस्ताक्षर कर उनके खाते से लगभग 13 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) कर दी गई। पीड़िता के अनुसार उनका खाता क्रमांक 177401502461 है और उन्हें इस एफ्डी की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। मामले का खुलासा तब हुआ जब बैंक के मुख्य कार्यालय नागपुर से हस्ताक्षर मेल न होने के संबंध में उन्हें फोन किया गया। इसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि उनके नाम से बिना सहमति एफ्डी कराई गई है। पीड़िता का आरोप है कि 17 अप्रैल 2026 को बैंक के शाखा प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी उनके कार्यस्थल (शासकीय अस्पताल) पहुंचे और गलती स्वीकार करते हुए मामले को आपसी समझौते से समाप्त करने का दबाव बनाया।मंजू रामचन्द्र रावत ने इस पूरे प्रकरण को बैंकिंग नियमों, ग्राहक विश्वास और सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन बताया है। उन्होंने बैंक प्रबंधन से निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक व विभागीय कार्रवाई की मांग की है।साथ ही उन्होंने एफ्डी से संबंधित सभी दस्तावेज, आवेदन पत्र, हस्ताक्षर रिकॉर्ड लिखित रूप में उपलब्ध कराने और भविष्य में बिना उनकी लिखित अनुमति के खाते से किसी भी प्रकार का लेनदेन न करने की मांग की है। पीड़िता ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वह उच्च अधिकारियों, बैंकिंग लोकपाल एवं सक्षम प्राधिकरण के समक्ष शिकायत दर्ज कराने को बाध्य होंगी।

बैंक में प्रार्थी द्वारा शिकायत की गई है, यह किसकी गलती से हुई है यह बैंक द्वारा जांच किया जा रहा है। उनका पैसा सुरक्षित है। वह किसी भी समय अपना सारा पैसा निकाल सकती है

- नितेश दुबे,ब्रांच मैनेजर,ICICI बैंक,चांपा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्मारिका विमोचन और 64 जवानों का सम्मान

229 बटालियन ने मनाया 14वां स्थापना दिवस, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बीजापुर/मूक पत्रिका

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 229 बटालियन ने बिते बुधवार को अपना 14वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। क्वार्टर गार्ड पर सलामी दी गई, जिससे पूरे परिसर में देशभक्ति का माहौल बना रहा। कमांडेंट ब्रजेश कुमार सिंह ने सैनिक सम्मेलन में बटालियन की उपलब्धियों को याद करते हुए जवानों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि स्थापना से अब तक जवानों और अधिकारियों की निष्ठा, अनुशासन और समर्पण ने बटालियन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इस मौके पर बटालियन द्वारा एक स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें इतिहास, अभियानों और वीर जवानों के साहसिक कार्यों का उल्लेख है। साथ ही एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी तैयार की गई, जिसमें बटालियन की कार्यशैली और राष्ट्रसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाया गया है। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 64 जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। खेल गतिविधियों में वॉलीबॉल और क्रिकेट प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ, जिससे जवानों में टीम भावना मजबूत हुई। सायंकाल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीआरपीएफ (परिचालन) रेंज बीजापुर के डीआईजी बी.एस. नेगी रहे। इस दौरान कलेक्टर संबित मिश्रा और पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी, जवान और उनके परिवारजन मौजूद रहे। समापन अवसर पर कमांडेंट ब्रजेश कुमार सिंह ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किए। उन्होंने जवानों की मेहनत और समर्पण की सराहना की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।